

डीएम-एसपी ने तहसील महाराजगंज में सम्पूर्ण समाधान दिवस में फरियादियों की सुनी समस्याएं

शिकायतों का समयबद्ध व गुणवत्तापूर्ण से निस्तारण कराए अधिकारी - डीएम, सम्पूर्ण समाधान दिवस में कुल 37 शिकायतें आयी, 07 का तत्काल हुआ निस्तारण (आधुनिक समाचार नेटवर्क) दिवस का आयोजन किया जाता कारण स्पष्ट करते हुए अवगत रायबरेली। जिलाधिकारी सरनीत हैं। इसमें स्थानीय नागरिक कराना सुनिश्चित किया जाये।



कौर ब्रोका की अध्यक्षता में तहसील महाराजगंज में सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। जिलाधिकारी ने कहा कि

उपस्थित होकर अपनी समस्याओं का समाधान करा सकते हैं। जिलाधिकारी ने कहा कि सभी अधिकारी जनता की इन

जिलाधिकारी ने बताया कि तहसील महाराजगंज में आयोजित सम्पूर्ण समाधान दिवस में राजस्व विभाग 18, पुलिस 02, विकास 05 एवं अन्य 12 कुल 37 प्रकरण प्राप्त हुए, जिसमें से 07 प्रकरणों का निस्तारण मौके पर ही कर दिया गया। शेष प्रकरणों के निस्तारण हेतु संबंधित विभागों को इस निर्देश के साथ उपलब्ध करा दिये गये कि उनका निस्तारण एक सप्ताह में कराना सुनिश्चित कराए। पुलिस अधीक्षक रवि कुमार ने भी पुलिस से संबंधित मामलों को सुना और संबंधित को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इस अवसर पर उपजिलाधिकारी महाराजगंज चन्द्र प्रकाश गौतम, अपर मुख्य चिकित्साधिकारी अरविंद कुमार, परियोजना निदेशक डीआरडीए मुनेश चन्द्र, तहसीलदार महाराजगंज मंजुला मिश्रा सहित संबंधित अधिकारियों उपस्थित रहे।



जन सामान्य की शिकायतों का स्थानीय स्तर पर समाधान किया जाना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है जिसके क्रम में तहसील व थानों में सम्पूर्ण समाधान

शिकायतों का निस्तारण त्वरित एवं समयबद्ध तरीके से एक सप्ताह में कराना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि शिकायतों के निस्तारण में यदि कोई समस्या है तो उसका

Gem of Adhunik Bharat 2026

जीवन परिचय- नाम साधना त्रिपाठी हैं। मेरा जन्म वर्ष 1962



मैं रायबरेली के एक मध्यमवर्गीय परिवार में हुआ। हम चार बहनें हैं और मैं चारों बहनों में सबसे बड़ी हूँ। मेरे पिताजी हमेशा मेरे जीवन की सबसे बड़ी प्रेरणा रहे। उनके संस्कारों और मार्गदर्शन ने मुझे जीवन में आगे बढ़ने तथा अपने कर्तव्यों को पूरी निष्ठा से निभाने की प्रेरणा दी। मेरी शैक्षिक योग्यता एम.ए. एवं बी.एड. है। शिक्षा के क्षेत्र में मेरी विशेष रुचि रही और मैंने अपने जीवन के लगभग 35 वर्ष शिक्षक के रूप में बच्चों के बीच बिताए। मैंने देवप्रयाग स्कूल में शिक्षिका के रूप में कार्य किया। हिंदी एवं संस्कृत मेरे प्रमुख विषय रहे हैं। शिक्षण मेरे लिए केवल एक नौकरी नहीं, बल्कि जीवन का उद्देश्य रहा है। मुझे हमेशा बच्चों से गहरा जुड़ाव रहा। मेरी सदैव यही इच्छा रही कि मैं बच्चों को किताबी ज्ञान के साथ-साथ जीवन के मूल्य, संस्कार और नैतिक शिक्षा भी प्रदान करूँ,

ताकि उनके चरित्र का निर्माण उज्ज्वल हो और उनका सर्वांगीण विकास हो सके। बच्चों को आगे बढ़ते और एक अच्छा इंसान बनते देखना मेरे लिए सबसे बड़ी खुशी रही है। विद्यालय से सेवानिवृत्त होने के बाद मेरा जुड़ाव स्वदेश सेवा संस्थान की सांदीपनि शाखा से हुआ। वहाँ मैंने ऐसे बच्चों को देखा, जिन्हें शिक्षा के साथ-साथ अच्छे संस्कार, मार्गदर्शन और स्नेह की अत्यंत आवश्यकता थी। इन बच्चों को देखकर मेरा मन उनसे गहराई से जुड़ गया। मुझे लगा कि मेरे जीवन के इतने वर्षों का शिक्षकीय अनुभव अब

इन्हीं बच्चों के भविष्य को संवारने में सबसे अधिक सार्थक हो सकता है। धीरे-धीरे मेरा जुड़ाव इस संस्था से इतना गहरा होता गया कि मैंने स्वयं को पूर्ण रूप से इस सेवा कार्य के लिए समर्पित कर दिया। आज इन बच्चों के साथ समय बिताना, उन्हें शिक्षा देना, संस्कार देना और उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए कार्य करना ही मेरे जीवन का सबसे बड़ा उद्देश्य बन गया है। अब मेरी यही इच्छा है कि जब तक जीवन है, मैं इन्हीं बच्चों के साथ रहकर, इसी संस्था के माध्यम से उनकी सेवा करती रहूँ और उनके जीवन को बेहतर बनाने में अपना योगदान देती रहूँ। ईश्वर मुझे इतनी शक्ति, सामर्थ्य और ऊर्जा प्रदान करें कि मैं जीवन के अंतिम क्षण तक इस सेवा कार्य को पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ करती रहूँ। यही मेरी जीवन की सबसे बड़ी अभिलाषा और प्रार्थना है।

प्रतापगढ़ के संविदा लिपिक सौरभ विश्वकर्मा की हत्या पर शोक-संवेदना व्यक्त करने जाने पर शशिकांत शर्मा को हाउस अरेस्ट किया गया

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। समाजवादी पार्टी के

शशिकांत शर्मा को उनके आवास रायबरेली पर ही हाउस अरेस्ट

और राजनीतिक दलों का पीड़ित परिवार के साथ खड़ा होना उनका



राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री माननीय अखिलेश यादव जी के निर्देश पर 13अगस्त, 2026 को प्रतापगढ़ में संविदा लिपिक सौरभ विश्वकर्मा की हत्या के बाद पीड़ित परिवार से मिलने जाते समय

कर दिया गया। शर्मा जी ने प्रशासन से सवाल किया है कि क्या पीड़ित परिवार से मिलकर उनका दर्द बांटना भी अब अपराध हो गया है? लोकतंत्र में जनप्रतिनिधियों

अधिकार ही नहीं, जिम्मेदारी भी है। उन्होंने प्रशासन के इस कृत्य को मानवीय संवेदना के विरुद्ध बताया है और इसकी निन्दा की है।

जल जीवन मिशन की परियोजनाओं को समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूर्ण कराएं- जिलाधिकारी

डीएम सरनीत कौर ब्रोका ने ग्रामीण एवं शहरी जल जीवन मिशन की परियोजनाओं की समीक्षा कर भूमि उपलब्धता एवं निर्माण कार्यों में तेजी लाने के लिए निर्देश

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। जिलाधिकारी सरनीत कौर ब्रोका की अध्यक्षता में विकास भवन सभागार में जल

परियोजनाओं को निर्धारित समयसीमा में पूर्ण कराने के लिए प्रभावी कार्ययोजना बनाकर कार्य किया जाए। निर्माणाधीन

जल जीवन मिशन शासन की महत्वपूर्ण प्राथमिकताओं में शामिल है, जिसका उद्देश्य ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों के प्रत्येक परिवार को सुचारु रूप से स्वच्छ एवं गुणवत्तापूर्ण पेयजल उपलब्ध कराना है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि परियोजनाओं के निर्माण कार्य में गुणवत्ता के मानकों का कड़ाई से पालन किया जाए तथा कार्यों की गुणवत्ता एवं प्रगति की नियमित रूप से स्थलीय जांच भी कराई जाए। उन्होंने कहा कि जिन परियोजनाओं का कार्य पूर्ण हो चुका है, उनमें पेयजल आपूर्ति की स्थिति का सत्यापन कर यह सुनिश्चित किया जाए कि आमजन को योजनाओं का वास्तविक एवं निरंतर लाभ प्राप्त हो रहा है। साथ ही, जिन परियोजनाओं में तकनीकी, भूमि अथवा अन्य किसी प्रकार की समस्या के कारण कार्य प्रभावित हो रहा है, उसका प्राथमिकता वें आधार पर समाधान सुनिश्चित किया जाए। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी अंजुलता, अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) सिद्धार्थ, अधिशासी अभियंता जल निगम (ग्रामीण) आर0वी0 सिंह, अधिशासी अभियंता जल निगम (शहरी) अफजल खान सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।



जीवन मिशन की समीक्षा बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में जनपद में संचालित जल जीवन मिशन ग्रामीण एवं शहरी की विभिन्न पेयजल परियोजनाओं की प्रगति, निर्माण कार्यों की स्थिति तथा परियोजनाओं के लिए आवश्यक भूमि की उपलब्धता सहित अन्य महत्वपूर्ण बिंदुओं पर विस्तार से समीक्षा की गई। जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों से परियोजनावार प्रगति की जानकारी लेते हुए निर्देशित किया कि जल जीवन मिशन के अंतर्गत संचालित सभी

परियोजनाओं में किसी भी स्तर पर अनावश्यक विलंब न हो तथा कार्यों की नियमित मॉनिटरिंग सुनिश्चित की जाए। उन्होंने परियोजनाओं के लिए भूमि की उपलब्धता की समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि जहां भूमि उपलब्धता से संबंधित प्रकरण लंबित हैं, वहां संबंधित विभागों से समन्वय स्थापित कर आवश्यक कार्रवाई शीघ्र पूर्ण कराई जाए, ताकि भूमि वें अभाव में किसी भी परियोजना का कार्य प्रभावित न हो। जिलाधिकारी ने कहा कि

मीडिया क्लब ने पत्रकार रिजवान को गंभीर बीमारी से ग्रसित होने पर उपचार के लिए दी सहायता राशि

मीडिया क्लब पत्रकारों के हित में काम करने के वादे पर लगातार कायम

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। संगम नगरी प्रयागराज में कुछ समय पहले

के एक निजी अस्पताल से कमला नेहरू अस्पताल में भर्ती कराया गया और डॉक्टर पॉल के नेतृत्व

सर्वसम्मति से निर्णय लिया कि कैंसर जैसे गंभीर रोग से ग्रसित पत्रकार रिजवान की मदद करनी चाहिए जिसके बाद कुछ सदस्यों संग दो अन्य लोगों ने अपने से आगे आकर क्लब के खाते में एक बड़ी सहायता राशि भी डाली। मीडिया क्लब के अध्यक्ष सचिव के नेतृत्व में कमला नेहरू अस्पताल पहुंचकर चेक द्वारा खाते में डाली गई सहायता राशि मीडिया क्लब के कई सदस्यों की मौजूदगी में मुख्य ट्रस्टी ने अध्यक्ष व सचिव संग पत्रकार रिजवान को सौंपा। वहीं मीडिया क्लब के सदस्यों ने मोहम्मद रिजवान के जल्दी स्वस्थ होने की ईश्वर से कामना की और आगे भविष्य में उनके इलाज में मदद करने का वादा किया। इस मौके पूर्व सूचना अधिकारी जीएन यादव, आर एन सिंह मीडिया क्लब अध्यक्ष अनुपम शुक्ला सचिव अरुण अरुण सोनकर उपाध्यक्ष प्रशांत शर्मा, कोषाध्यक्ष टी के पांडे मुख्य ट्रस्टी सत्यद मोहम्मद आमिर कार्यालय प्रभारी जी एन वैश सह कार्यलय प्रभारी विलास गुप्ता, कार्यकारिणी सदस्य अनुराग दुबे, श्याम कुशवाहा सदस्य सुधाकर सिंह रहीम अहमद कई पत्रकार मौजूद रहे।



मीडिया क्लब की स्थापना हुई थी और स्थापना के समय सभी पदाधिकारी ने संकल्प लिया था कि मीडिया क्लब के किसी भी सदस्य पत्रकार या किसी भी पत्रकार साथ कोई समस्या होती है या दुर्घटना होती है तो मीडिया क्लब उसकी मदद करेगा मीडिया क्लब के उप ट्रस्टी सलमान अहमद द्वारा क्लब को सूचित किया गया कई दिनों से प्रिंट मीडिया से जुड़े पत्रकार रिजवान का स्वास्थ्य खराब था और डॉक्टरों द्वारा ब्लड कैंसर बताया गया है इसके बाद उन्हें करेली

में रिजवान का इलाज चल रहा है। जिसकी जानकारी मीडिया क्लब के अध्यक्ष अनुपम शुक्ला और सचिव अरुण सोनकर व अन्य पदाधिकारी को मिलने बाद मीडिया क्लब के अध्यक्ष व सचिव ने मोहम्मद रिजवान से कुशलक्षेम जाना वहीं क्लब के पदाधिकारी और सदस्यों के द्वारा मुख्य ट्रस्टी पत्रकार सैयद मोहम्मद आमिर को रिजवान की समस्या बताई गई। जिसके बाद मीडिया क्लब में उपस्थित साधियों को अवगत कराया गया जिस पर चर्चा की गई और

पीआरडी जवानों के लिए मुख्यमंत्री जी की महत्वपूर्ण घोषणाएं, मानदेय रु500 से बढ़ाकर रु600, कैंशलेस उपचार एवं बैरक की सुविधा

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। मुख्यमंत्री उदप्र0 योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में गोरखपुर में प्रांतीय रक्षक दल के जवानों का सम्मेलन कार्यक्रम आयोजित किया गया। उक्त कार्यक्रम का जनपद रायबरेली के एन0आई0सी0 सभागार में जिला युवा कल्याण एवं प्रांतीय रक्षक दल अधिकारी रायबरेली सौरभ सिंह व समस्त विकास खंड के क्षेत्रीय युवा कल्याण एवं प्रांतीय रक्षक दल अधिकारी व पी0आर0डी0 जवान द्वारा मा0 मुख्यमंत्री जी के कार्यक्रम का सजीव प्रसारण देखा गया और उनके उद्बोधन को सुना गया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी द्वारा आज प्रदेश के पीआरडी जवानों को संबोधित करते हुए उनके हित में महत्वपूर्ण घोषणाएं की गईं। मुख्यमंत्री जी द्वारा पीआरडी जवानों के मानदेय में वृद्धि करते हुए इसे रु500 प्रतिदिन से बढ़ाकर रु600 प्रतिदिन किए जाने की घोषणा की गई। इसके साथ ही पीआरडी जवानों एवं उनके परिवारों के स्वास्थ्य हितों को ध्यान में रखते हुए मा0 मुख्यमंत्री जी ने कैंशलेस चिकित्सा सुविधा प्रदान किए जाने तथा पीआरडी जवानों के लिए जनपद लखनऊ के सरोजनीनगर में बैरक/आवासीय सुविधा विकसित किए जाने की महत्वपूर्ण घोषणा की गई। जिला युवा कल्याण एवं प्रांतीय रक्षक दल अधिकारी रायबरेली ने कहा कि मा0 मुख्यमंत्री जी की इन घोषणाओं से प्रदेश के हजारों पीआरडी जवानों में उत्साह एवं प्रसन्नता का माहौल है।

INDIAN SECURITY & MANPOWER SERVICES

ADDRESS- Naini, Prayagraj U.P.-211008. PAN No. ABJPA1540R, Reg.No.03-0068604

Regd. Under Additional Director General of Police U.P. vide Reg. No. 2453 +91-7985619757, +91-7007472337

We Are Providing Security & Manpower Services in School/ University/ Institute/ Hospital/ Office Premises

INDIAN SECURITY AND MANPOWER SERVICES:-
takes great pleasure in Providing Security arrangement and Office Staff for your Organization premises. We have with us talented and well trained Disciplined persons, each having exposure to industrial/commercial security and intelligence knowledge in their field. Our personnel's are physically fit, courageous disciplined and well trained in their field. They are bold but polite, peace loving but not coward, friendly but shrews while duty, sharp in act but very claim and affable where presence of mind is lost by the common man, ailing but smelling the red hounds, work in the common climate but vigilant and faithfully to the organization. It is on account of the above trait that our services are engaged by reputed organization which consists of Schools, University, Banks, Government, Industrial Concern, Hotels, Hospitals, Educational Institutes, Housing Societies/Bungalows, Semi Government and Government Organization.

INDIAN SECURITY AND MANPOWER SERVICES is registered by:-
Additional Director General of Police, (Law & Order), Deputy Labour Commissioner, Employees Provident Fund Organization, Employees State Insurance Corporation, Goods & Services Tax, MSME Registration..(Govt. of India)

FOR JOB CONTACT:- 9569430885

INDIAN SECURITY AND MANPOWER SERVICES Manpower Category:-
Assignment Manager, Housekeeping Manager, Assignment Supervisor, Housekeeping Supervisor, Accountant, Driver, Computer Operator, Electrician, Data Entry operator, Carpenter, Clerk, Office Boy, M.T.S, Sweeper, Peon, Gardner, Computer Teacher, Agriculture Labour, TGT & PGT Teacher, Quality/Technical Manpower as per your requirement

आधुनिक संगम जल है अमृत तुल्य जल



श्री गंगाधर जी महाराज

पीठाधीश्वर
शिव शक्तिपीठ



Enquiry-9453086939, 9419808710, 9804938917
anentorprisescustomercare@gmail.com

सब्सक्राइब करें—



आधुनिक संगम जल

दो दिवसीय 'लोक संस्कृति उत्सव-2026' भव्य सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के साथ सम्पन्न

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) निदेशक अभिषेक सिंह ने प्रयागराज। परम पूज्य स्वामी अतिथियों तथा उपस्थित

शुक्राई नाथ योगी जी, सुप्रसिद्ध लोक कलाकार श्री उदयचन्द्र परदेशी, वरिष्ठ भाजपा नेता श्री लक्ष्मीकांत तिवारी, श्री अवधेश सिंह, भारतीय सेना के लेफ्टिनेंट कर्नल गौरव, प्रकृति वेदा के निदेशक डॉ. पुष्पेन्द्र सिंह एवं वरिष्ठ अधिवक्ता श्री संजय पाण्डेय सहित अन्य गणमान्य जन उपस्थित रहे।

द्वितीय दिवस कजरी, लोकगीत एवं छठ पूजा की नृत्य-नाटिका ने मोहा मन-लोक संस्कृति उत्सव के द्वितीय दिवस अतिथि के रूप में नैनी के लोकप्रिय पार्श्व रावेगेश जायसवाल, आकाशवाणी की सुप्रसिद्ध लोक गायिका श्रीमती संगीता राय तथा कथक कला केंद्र, प्रयागराज की निदेशिका श्रीमती उर्मिला शर्मा वगैरे

आधुनिक स्वर जोड़े। मॉ शारदा संगीत समिति के छात्र-छात्राओं द्वारा छठ पूजा पर आधारित नृत्य-नाटिका एवं लोकनृत्य की मनोहारी प्रस्तुति ने उपस्थित दर्शकों को भाव-विभोर कर दिया। सभी संस्कृति प्रेमी दर्शकों ने दोनों दिवस की प्रस्तुतियों की जमकर सराहना की तथा कलाकारों का उत्साहवर्धन किया। अतिथियों ने लोक संस्कृति के संरक्षण एवं संवर्धन की अपील की- कार्यक्रम में उपस्थित अतिथियों ने आयोजकों एवं सभी कलाकारों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन विलुप्त होती लोक कलाओं, संस्कृति एवं हमारी समृद्ध विरासत के संरक्षण और संवर्धन की दिशा में महत्वपूर्ण



चिदानंद सरस्वती 'मुनि' जी के आशीर्वाद एवं प्रेरणा से गोपीनाथ संगीत कला ट्रस्ट एवं मॉ शारदा संगीत समिति, नैनी, प्रयागराज वें संयुक्त तत्वावधान में आयोजित दो दिवसीय 'लोक संस्कृति उत्सव-2026' 15 एवं 16 अगस्त 2026 को परमाश्रित अरुण घाट, नैनी में भव्य एवं सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। उत्सव में भारतीय लोक संस्कृति, लोकगीत, लोकनृत्य, भक्ति संगीत एवं देशभक्ति से जुड़ी विविध प्रस्तुतियों ने दर्शकों को भाव-विभोर कर दिया। वैदिक मंत्रोच्चारण एवं मॉ गंगा की आरती से हुआ शुभारम्भ- दोनों दिवस कार्यक्रम का शुभारम्भ पतित पावनी मॉ गंगा के वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ पूजन-अर्चन एवं ऋषि कुमारों द्वारा की गई भव्य आरती से हुआ। आयोजन स्थल भारतीय संस्कृति, आध्यात्मिकता एवं लोक परंपराओं की जीवंत छटा से सराबोर रहा। आयोजक संस्था गोपीनाथ संगीत कला ट्रस्ट की अध्यक्ष सीमा त्रिपाठी एवं मॉ शारदा संगीत समिति वें

संस्कृति प्रेमी जनसमूह का स्वागत करते हुए कहा कि आयोजन का उद्देश्य भारतीय लोक संस्कृति एवं लोक परंपराओं का संरक्षण एवं संवर्धन करना तथा नई पीढ़ी को अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जोड़ना है। प्रथम दिवस भजन, देशभक्ति गीत, लोकनृत्य एवं 'ऑपरेशन सिंदूर' पर आधारित नृत्य-नाटिका रही आकर्षण का केंद्र-लोक संस्कृति उत्सव के प्रथम दिवस मॉ शारदा संगीत समिति के छात्र-छात्राओं ने मनमोहक भजन एवं 'ऑपरेशन सिंदूर' पर आधारित नृत्य-नाटिका प्रस्तुत की। अर्शिता यादव के निर्देशन में प्रस्तुत भरतनाट्यम् ने दर्शकों की खूब सराहना बटोरी। सुप्रसिद्ध गायक संदीप द्विवेदी एवं आशीष शर्मा ने भारतीय लोक परंपराओं एवं सांस्कृतिक विरासत पर आधारित देशभक्ति गीत, भजन एवं सूफी गीत प्रस्तुत कर वातावरण को संगीतमय बना दिया। प्रथम दिवस के अतिथियों में परम पूज्य स्वामी जी के अति प्रिय कृपा पात्र शिष्य आदरणीय माधव जी, महंत



गरिमामयी उपस्थिति रही। सांस्कृतिक प्रस्तुतियों में प्रयागराज वगैरे सुप्रसिद्ध लोकगायिका मोहिनी श्रीवास्तव ने कजरी एवं पारंपरिक लोकगीतों की मनोहारी प्रस्तुति से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। वहीं सुप्रसिद्ध लोक गायक कृष्ण कुमार सत्यार्थी ने समसामयिक लोकगीतों की प्रस्तुति देकर कार्यक्रम में लोक संगीत के

पहल हैं। लोक संस्कृति को मुख्यधारा से जोड़ने तथा युवा पीढ़ी को अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जोड़ने के लिए इस प्रकार के आयोजनों को निरंतर बढ़ावा दिया जाना चाहिए। दो दिवसीय लोक संस्कृति उत्सव-2026 का संचालन पोषण ग्रामोद्योग सेवा समिति के सचिव दत्तात्रेय पाण्डेय एवं द स्टैप फ़ाउण्डेशन के अध्यक्ष दिलीप चौधरी ने किया। 'लोक संस्कृति उत्सव-2026' ने लोक कला, संगीत, नृत्य एवं भारतीय सांस्कृतिक परंपराओं के संरक्षण तथा उन्हें नई पीढ़ी तक पहुँचाने का सार्थक संदेश देते हुए सफलता के साथ विराम लिया। इस अवसर पर संगीत प्रशिक्षिका नीतू राय, लोक नृत्य प्रशिक्षिका सुगन्धा, शालिनी सिंह, आचार्या वृन्मवृन्म, सुप्रसिद्ध भजन गायक मिश्र बन्धु, विजय कनौजिया, ठाकुर करन सिंह, पंकज कुमार, शुभम, देवराज सिंह, अंकिता, शाम्भवी, विकास कुमार, राजेश कुमार एवं अभिरन्जु मिश्रा सहित बड़ी संख्या में कलाकार, गणमान्यजन एवं संस्कृति प्रेमी उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन 12 सितम्बर को

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। 30प्र0 राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ के निर्देशानुसार व मा0 अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण/जनपद न्यायाधीश रायबरेली अमित पाल सिंह के दिशा-निर्देशन में जनपद न्यायालय रायबरेली, परिवार न्यायालय रायबरेली, मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण, रायबरेली व सभी तहसील मुख्यालयों में 12 सितम्बर 2026 को राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जा रहा है। राष्ट्रीय लोक अदालत का उद्देश्य वादों का आपसी सुलह-समझौते के आधार पर सरल निस्तारण कराना है। कानूनी जटिलताओं से परे लोक अदालत की प्रक्रिया सहज और आपसी समझौते पर आधारित है। राष्ट्रीय लोक अदालत के

नोएडा मीडिया क्लब में लगा निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर, पत्रकारों ने कराई विभिन्न जांच

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। पत्रकारों के स्वास्थ्य और फिटनेस को ध्यान में रखते हुए मैक्स मल्टी स्पेशियलिटी सेंटर, नोएडा की ओर से नोएडा मीडिया क्लब के सहयोग से सोमवार को सेक्टर-29 स्थित नोएडा मीडिया क्लब में निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में नोएडा मीडिया क्लब से जुड़े पत्रकारों और मीडिया कर्मियों ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया तथा विशेषज्ञ चिकित्सकों की मौजूदगी में विभिन्न स्वास्थ्य जांच कराई। शिविर में पत्रकारों को ऑर्थोपेडिशियन से निःशुल्क परामर्श की सुविधा उपलब्ध कराई गई। इसके अलावा आई स्क्रीनिंग, डेंटल स्क्रीनिंग, बीएमडी, बीएमआई और पीएफटी जैसी महत्वपूर्ण जांच की गई। शिविर में ब्लड प्रेशर, रैंडम ब्लड शुगर और कोलेस्ट्रॉल की भी जांच की गई। स्वास्थ्य जांच के दौरान चिकित्सकों ने रिपोर्ट के आधार पर आवश्यक परामर्श देते हुए नियमित स्वास्थ्य जांच और

संतुलित जीवनशैली अपनाने की सलाह दी। पत्रकारिता का कार्य बेहद व्यस्त और चुनौतीपूर्ण माना



जाता है। समाचार कवरेज, फील्ड रिपोर्टिंग और लगातार बदलती परिस्थितियों के बीच पत्रकार अक्सर अपने स्वास्थ्य पर पर्याप्त ध्यान नहीं दे पाते। ऐसे में आयोजित इस स्वास्थ्य शिविर को पत्रकारों के लिए उपयोगी पहल माना गया। शिविर

में पहुंचे पत्रकारों ने अपनी नियमित स्वास्थ्य जांच कराई और विशेषज्ञों से स्वास्थ्य संबंधी

भी स्वास्थ्य समस्या का शुरुआती स्तर पर पता लगाया जा सकता है और समय रहते उचित चिकित्सकीय सलाह ली जा सकती है। नोएडा मीडिया क्लब की ओर से कहा गया कि पत्रकार समाज के विभिन्न मुद्दों को प्रमुखता से उठाने के साथ-साथ जनहित से जुड़े कार्यों में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। ऐसे में पत्रकार साधियों के स्वास्थ्य का ध्यान रखना भी जरूरी है। इसी उद्देश्य से मैक्स मल्टी स्पेशियलिटी सेंटर के सहयोग से इस स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में मौजूद स्वास्थ्य विशेषज्ञों और मेडिकल टीम ने पत्रकारों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहने, समय-समय पर जांच कराने और अपने व्यस्त कार्यक्रम के बीच स्वास्थ्य को प्राथमिकता देने की सलाह दी। पत्रकार साधियों ने इस पहल की सराहना करते हुए भविष्य में भी ऐसे स्वास्थ्य शिविर आयोजित किए जाने की उम्मीद जताई।

आरडब्ल्यूए की बैठक में सेक्टर की समस्याओं पर हुआ मंथन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

अलावा पूरे पॉकेट की नालियों



नोएडा। ईडब्ल्यूएस पॉकेट 7 सेक्टर 82 में आरडब्ल्यूए द्वारा एक बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता आरडब्ल्यूए राघवेंद्र दुबे ने की। बैठक में पॉकेट की प्रमुख समस्याओं पर विचार-विमर्श किया गया। पॉकेट वासियों ने स्ट्रीट लाइट, सीवर की समस्याओं को उठाया। इस अवसर पर बोलते हुए अध्यक्ष राघवेंद्र दुबे ने कहा कि पॉकेट के अधिकतर सीवर ओवरफ्लो हो रहे हैं। सीवर की समस्या पिछले ढाई साल से लगातार चल रही है लेकिन आज तक कोई स्थाई समाधान नहीं हुआ है। गलियों में पार्कों में सीवर ओवरफ्लो होकर बह रहे हैं जिससे गंभीर बीमारियों के पनपने का खतरा है। प्राधिकरण के अधिकारी समस्याओं वें समाधान के प्रति गंभीर नहीं हैं। तमाम स्ट्रीट लाइट बंद हैं इसके

जाम हैं जिससे नाली का पानी बाहर नाले में नहीं जा रहा है। नालियों का पानी फ्लैटों के नीचे में जा रहा है जिससे फ्लैटों के गिरने का खतरा बना हुआ है। यहां पर बंद नालियों को खोलने या नए स्तर से नालियां बनाने की आवश्यकता है जिसकी कनेक्टिविटी नाले से हो। समस्याओं के अलावा पॉकेट के विकास की नई रणनीति पर चर्चा की गई। इस मौके पर सुशील पाल, उत्तम चंद्रा, पप्पू सिंह, राजवीर सिंह, देवमणि शुक्ला, घनश्याम जोशी, मिथिलेश राय, हनुमान कुमार, दयानंद शास्त्री, अनूप शर्मा, विष्णु शर्मा, विकास शर्मा, प्रकाश जोशी, जितेंद्र सिंह, बीडी गुप्ता, रमेश गुप्ता, जयराम शुरुला, बीसी पांडेय, अभय पाल, मनोज सिंह, पालीवाल, नवीन पंत, रामलखन लखेड़ा सहित तमाम लोग मौजूद रहे।

कुलाबा समितियों की निर्वाचक नामावली का अनन्तिम प्रकाशन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। सोमवार को निर्वाचक रजिस्ट्रार अधिकाारी/अधिशासी अभियन्ता, शारदा

निकलने वाली अल्पिकाओं के कुलाबे। जौनपुर शाखा के किमी 41.000 से 48.000 के मध्य निकली अल्पिकाओं तथा जायस



सहायक खण्ड-41, अमेठी ने बताया कि चुनाव अधिकारी एवं मुख्य अभियन्ता (शारदा सहायक), सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग, उत्तर प्रदेश द्वारा निर्धारित कार्यक्रम के क्रम में शारदा सहायक खण्ड-41, अमेठी के अन्तर्गत नहरों की कुलाबा समितियों के पूर्व में हुए चुनाव के समय तैयार की गई निर्वाचक नामावली का अनन्तिम प्रकाशन किया जा रहा है। उक्त निर्वाचक नामावली संबंधित क्षेत्र के निरीक्षण के लिए कार्यालय जिलेदारी प्रथम जायस, कार्यालय जिलेदारी द्वितीय गौरीगंज, कार्यालय जिलेदारी तृतीय तातारपुर तथा कार्यालय जिलेदारी चतुर्थ जगदीशपुर में उपलब्ध रहेगी। नामावली में जौनपुर शाखा के किमी 48.000 से 56.000 के मध्य निकली अल्पिकाओं के कुलाब, रिछौरा एवं अठेहा रजबहा तथा उनसे

रजबहा एवं उससे निकलने वाली अल्पिकाओं के कुलाबे। सिंहपुर रजबहा प्रणाली के अन्तर्गत सिं हपुर, शिवरतनगंज, भवानीपुर, राजापुर, हारीमऊ एवं रस्तामऊ रजबहा तथा समस्त अल्पिकाओं के कुलाब एवं इन्होंने रजबहा प्रणाली के अन्तर्गत इन्होंने, सिन्दुरवा, गेरावां, बाहरपुर, देवकली एवं कटेहरी रजबहा तथा समस्त अल्पिकाओं के कुलाबे सम्मिलित हैं। निर्वाचक नामावली में किसी नाम को सम्मिलित किए जाने के संबंध में दावा, सम्मिलित किसी नाम के संबंध में आपत्ति अथवा किसी विवरण के संबंध में अपील हो तो संबंधित व्यक्ति 11 अगस्त से 22 अगस्त 2026 तक निर्धारित परिशिष्ट-19, 20 अथवा 21 के उपयुक्त प्रारूप में दाखिल कर सकते हैं। प्रत्येक दावा अथवा आपत्ति संबंधित जिलेदारी कार्यालय में प्रस्तुत की जा सकती है।

नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केन्द्र, प्रयागराज

कौशल विकास का महत्व



एक कुशल हल्केटीशियन अच्छी कमाई और सम्मान अर्जित कर रहा है।

नारी शक्ति का करें सम्मान, तभी बनेगा देश महान, मिशन शक्ति 5.0 के दूसरे चरण के अंतर्गत महिला सुरक्षा, सम्मान एवं सशक्तिकरण की ओर सशक्त पहल

महिला सुरक्षा, सशक्तिकरण एवं साइबर अपराधों के प्रति जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) जनजागरूकता अभियान सोनभद्र। महिलाओं एवं संचालित किया जा रहा है।



बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान एवं सशक्तिकरण को सर्वोच्च

पुलिस अधीक्षक सोनभद्र श्री अभिषेक वर्मा के कुशल निर्देशन



प्राथमिकता देते हुए सोनभद्र पुलिस द्वारा मिशन शक्ति 5.0 के दूसरे चरण के अंतर्गत जनपद में व्यापक एवं प्रभावी

अभियान के अंतर्गत महिलाओं एवं बच्चों से संबंधित प्रमुख सामाजिक विषयों—जैसे लिंगानुपात, लैंगिक समानता, बाल विवाह, लैंगिक शोषण, महिलाओं एवं बच्चों के प्रति होने वाली हिंसा, साक्षरता एवं स्वास्थ्य—पर विशेष रूप से प्रकाश डालते हुए जनमानस को जागरूक किया गया।

इस क्रम में जनपद के समस्त थानों की मिशन शक्ति टीमों द्वारा शिवालयों, महाविद्यालयों, कोचिंग संस्थानों, बाजारों एवं ग्राम सभाओं में संवाद कार्यक्रम आयोजित कर महिलाओं एवं बालिकाओं को गुड टच-बैड टच, आत्मरक्षा के उपाय, महिला उत्पीड़न से संबंधित विधिक अधिकारों, तथा विभिन्न हेल्पलाइन सेवाओं की विस्तृत जानकारी प्रदान की गई।

साथ ही साइबर अपराधों के बढ़ते खतरे को दृष्टिगत रखते हुए ऑनलाइन प्रॉड, फर्जी कॉल/लैंक, सोशल मीडिया के दुरुपयोग, बैंकिंग धोखाधड़ी एवं ओटीपी साझा न करने के संबंध में विशेष जागरूकता उपक्रम की गई। महत्वपूर्ण हेल्पलाइन नंबर-112 - आपातकालीन सेवा, 1090 / 1091 - महिला सुरक्षा हेल्पलाइन, 181 - महिला हेल्पलाइन, 1930 - साइबर अपराध हेल्पलाइन, 1076 - मुख्यमंत्री हेल्पलाइन।

में जनपद के समस्त थाना क्षेत्रों में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित कर समाज के सभी वर्गों को जागरूक किया जा रहा है।

जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक सोनभद्र ने शिवद्वार मंदिर एवं मंदिर मार्ग का किया निरीक्षण, सुरक्षा एवं श्रद्धालुओं की सुविधा को लेकर दिए आवश्यक दिशा-निर्देश

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। श्रावण मास के दृष्टिगत

हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

सफाई, पेयजल एवं मेडिकल सुविधा की उपलब्धता का



शिवद्वार मंदिर में दर्शन-पूजन हेतु आने वाले श्रद्धालुओं की सुरक्षा, सुगम आवागमन एवं बेहतर व्यवस्थाओं को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से आज दिनांक 17.08.2026 को जिलाधिकारी सोनभद्र श्री चर्चित गौड़ एवं पुलिस अधीक्षक सोनभद्र श्री अभिषेक वर्मा द्वारा थाना घोराल क्षेत्रांतर्गत स्थित प्रसिद्ध शिवद्वार मंदिर एवं मंदिर मार्ग का संयुक्त रूप से निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान मंदिर परिसर में प्रवेश एवं निकास मार्ग, पार्किंग, बैरिकेडिंग, श्रद्धालुओं के आवागमन एवं सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लेते

मंदिर मार्ग की स्थिति एवं यातायात व्यवस्था का भी निरीक्षण कर श्रद्धालुओं को सुगम आवागमन हेतु आवश्यक प्रबंध सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। पुलिस अधीक्षक महोदय द्वारा मंदिर परिसर में लगे सीसीटीवी कैमरों का निरीक्षण किया गया तथा ड्रोन कैमरे के माध्यम से मंदिर परिसर एवं आसपास के क्षेत्रों की सुरक्षा व्यवस्था की निगरानी की गई। भीड़ को दृष्टिगत रखते हुए प्रभावी निगरानी एवं पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती के निर्देश दिए गए। इसके साथ ही मंदिर परिसर एवं आसपास साफ-

जायजा लिया गया। संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो तथा भीड़ एवं यातायात का सुचारु प्रबंधन सुनिश्चित किया जाए। श्रावण मास के दौरान कानून-व्यवस्था एवं सुरक्षा व्यवस्था को प्रभावी बनाए रखते हुए श्रद्धालुओं को सुरक्षित एवं शांतिपूर्ण वातावरण उपलब्ध कराने हेतु संबंधित पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। निरीक्षण के दौरान संबंधित प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारीगण उपस्थित रहे।

राशन कोटेदारों को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की बड़ी सौगात, लाभान्ता 90 से बढ़ाकर 125 प्रति कुंतल

प्रदेश के 78 हजार राशन कोटेदार होंगे लाभान्वित, सोनभद्र के 786 कोटेदारों को मिलेगा बड़े लाभान्ता का लाभ, जनपद की चारों विधानसभा क्षेत्रों में हुआ मुख्यमंत्री के संबोधन एवं कार्यक्रम का सजीव प्रसारण, कलेक्ट्रेट सभागार में कोटेदारों ने सुना मुख्यमंत्री का संबोधन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। प्रदेश के राशन

संबोधन का सजीव प्रसारण जनपद सोनभद्र की चारों विधानसभा क्षेत्रों में बट्संगंज, ओबरा, दुदडी एवं घोरालकुमें किया गया। संबंधित सभागारों में उपस्थित जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों एवं राशन कोटेदारों ने मुख्यमंत्री जी के संबोधन को सुना। कलेक्ट्रेट सभागार, राबट्संगंज में आयोजित कार्यक्रम में नगर पालिका परिषद अध्यक्ष श्रीमती रूबी प्रसाद एवं



जिलाध्यक्ष श्री नंदलाल गुप्ता सहित सं बंधित विभागीय अधिकारी एवं बड़ी संख्या में राशन कोटेदार उपस्थित रहे। इसी प्रकार अन्य

कोटेदारों को आर्थिक रूप से और अधिक सशक्त बनाने की दिशा में मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी ने बड़ी सौगात देते हुए उनके लाभान्ता को 90 प्रति कुंतल से बढ़ाकर 125 प्रति कुंतल कर दिया है। इस निर्णय से प्रदेश के लगभग 78 हजार राशन कोटेदारों को सीधा लाभ मिलेगा। मुख्यमंत्री जी द्वारा लाभान्ता वृद्धि की घोषणा के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम एवं उनके

विधानसभा क्षेत्रों में आयोजित कार्यक्रमों में भी जनप्रतिनिधिगण, अधिकारीगण एवं राशन कोटेदारों ने सहभागिता की। लाभान्ता में की गई इस वृद्धि का लाभ जनपद सोनभद्र के 786 राशन कोटेदारों को भी मिलेगा। अब प्रति कुंतल राशन वितरण पर मिलने वाला लाभान्ता रु90 के स्थान पर रु125 होगा, जिससे कोटेदारों की आय में वृद्धि होने के साथ सार्वजनिक वितरण प्रणाली को और अधिक प्रभावी एवं सुदृढ़ बनाने में मदद मिलेगी।

36 करोड़ की नाली निर्माण योजना पर उठे सवाल 40 मिनट की बारिश ने खोली जल निकली सी व्यवस्था की पोल सोनभद्र

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार संगठन सोनभद्र की एक आवश्यक बैठक राजेश जायसवाल जी के आवास पर आयोजित की गई। जिसमें नगर की कई समस्याओं पर विधिवत चर्चा की गई। संगठन के वक्ताओं ने कहा कि नाला निर्माण का मुख्य उद्देश्य नगर में जल भराव की समस्या से निजात पाना, परंतु इतनी भारी भरकम धनराशि नाला निर्माण में खर्च होने के बावजूद समस्या जस के तस है। पूरे नगर में विगत 16 अगस्त को थोड़ी सी बारिश में पूरा नगर जलमग्न हो गया यहाँ तक कि गलियों में पानी भरने के साथ-साथ लोगों के घरों में भी पानी घुस गया, जिससे आम जनता का जन जीवन अस्त-व्यस्त हो

गया। उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार संगठन सोनभद्र के जिला अध्यक्ष कौशल शर्मा ने कहा कि जनपद मुख्यालय पर लगभग 36 करोड़ रुपए की लागत से कराए गए नाला निर्माण कार्य की उपयोगिता इसकी डीपीआर को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। विगत 16 अगस्त की रात्रि महक 40 मिनट हुई बारिश ने नगर की जल निकासी व्यवस्था की ऐसी तस्वीर प्रस्तुत की जिससे विकास कार्यों की गुणवत्ता एवं दूरदर्शिता पर प्रश्न चिन्ह लगा दिया गया। उन्होंने कहा कि अल्प अवध की बारिश में नगर के अनेक हिस्सों का जल मग्न हो जाना यह सोचने को विवश करता है कि सामान्य वर्षा का पानी भी सुचारु रूप से नहीं निकल पा रहा है तो करोड़ों रुपए

नाली निर्माण का वास्तविक औचित्य क्या है। जिला अध्यक्ष



ने कहा कि व्यापारी वर्ग नगर की आधारभूत सुविधाओं के विकास का सदैव स्वागत करता है, लेकिन सार्वजनिक धन से होने वाले निर्माण कार्य केवल

कागजों पर पूर्ण दिखाने के लिए नहीं बल्कि धरातल पर जनता

उन्होंने कहा कि जब सामान्य वर्षा के जल भराव रोकने में असफल है तो निश्चित रूप से इसकी डीपीआर डिजाइन, क्षमता निर्माण की गुणवत्ता तथा जल निकासी की समग्र तंत्र की निष्पक्ष तकनीकी जांच आवश्यक है। अभी-अभी नगर में सड़क का नया निर्माण हुआ है और पानी की निकासी नाली में न होने के कारण सड़क फिर से खराब होने लगी है जगह-जगह गड्ढे होने लगे हैं। उन्होंने कहा कि जब 2020 के इस परियोजना को आनन-फानन में पिछले वर्ष 2025 में जून के महीने में नाली निर्माण का कार्य किया शुरू किया गया था। इस संदर्भ में उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार संगठन सोनभद्र का एक प्रतिनिधिमंडल 4 जुलाई 2025 को सीएनडीएस के

सहायक अभियंता को ज्ञापन सौंप कर अवगत कराया था कि नाली निर्माण का डीपीआर संदिग्ध है। परंतु न तो इस पर ध्यान दिया गया ना इस पर कोई कार्रवाई सुनिश्चित की गई। और इसे ठंडे बस्ते में डाल दिया गया। पुनः इसकी सूचना पिछड़ा वर्ग आयोग के उपाध्यक्ष जो कि जनपद भ्रमण पर आए थे उन्हें भी ज्ञापन सौंप कर कर इस अनियमितता के संदर्भ में अवगत कराया गया था। शर्मा ने कहा कि विकास की सार्थकता निर्माण की लागत से नहीं उसके परिणाम से निर्धारित होती है यदि बारिश के चंद मिनट में सड़कें और बाजार जलमग्न हो जाए व्यापारिक प्रतिष्ठानों के सामने पानी भर जाए और आम नागरिकों का आवागमन में

कठिनाई उठानी पड़े तो यह केवल जल भराव ही नहीं बल्कि नियोजन की गंभीर कमी का संकेत है। उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार संगठन सोनभद्र मांग किया कि संबंधित विभाग द्वारा नाला निर्माण की डीपीआर एवं तकनीक की स्वीकृत की समीक्षा। निर्माण कार्य की गुणवत्ता की स्वतंत्रता तथा जल निकासी की वास्तविक क्षमता का स्थलीय परीक्षण कराया जाए साथ ही यह भी स्पष्ट किया जाए कि निर्माण से पूर्व क्षेत्र की भौगोलिक स्थिति वर्षा जल की मात्रा और प्राकृतिक जल निकासी के मार्गों का समुचित अध्ययन किया गया था अथवा नहीं। शर्मा ने कहा कि सोनभद्र मुख्यालय को आधुनिक व्यवस्थित एवं जल भराव मुक्त

नगर बनाना समय की आवश्यकता है। इसके लिए टुकड़ों में होने वाले निर्माण के बजाय समग्र एवं वैज्ञानिक ड्रेनेज प्लान तैयार किया जाए जाना चाहिए ताकि सार्वजनिक धन का सदुपयोग हो और भविष्य में नागरिकों तथा व्यापारियों को ऐसी दुश्धारियों का सामना न करना पड़े। बैठक में मुख्य रूप से प्रितपाल सिंह, राजेश जायसवाल, जसकीरत सिंह, प्रशांत जैन, राजू जायसवाल, शरद जायसवाल, सिद्धार्थ सांवरीया, सूर्या जायसवाल, अभिषेक साहू, अभिषेक केसरी, गुरप्रीत सिंह, दीप सिंह पटेल, नागेंद्र मोहनवाल, पंकज कनोडिया, प्रदीप जायसवाल, अमित अग्रवाल, टीपू अली, यशपाल सिंह, मंदू केसरी आदि लोगों उपस्थित रहे।



NAINI INDUSTRIAL TRAINING CENTRE

(Govt. Affiliated, Star Graded, Record Holder, ISO Certified Training Centre)

सर्टिफिकेट इन फायर सेफ्टी एण्ड इण्डस्ट्रीयल सिक्योरिटी

फायर सेफ्टी पर जिसकी कमाण्ड, उसकी ही है ग्लोबल डिमाण्ड
कोर्स के बाद सेफ्टी सुपरवाइजर, फायर प्रोटेक्शन, सिक्योरिटी एडमिनिस्ट्रेटर आदि विभिन्न पदों पर नियुक्ति मिल जाती है। रिलीफ एजेन्सी N.G.O., डिफेन्स सर्विसेज फायर सर्विस आर्डिनेन्स फैक्ट्री, महानगर पालिका, नगर निगम, एयरपोर्ट, पावर प्लांट, स्टील प्लांट, माइनिंग इण्डस्ट्रीज, पेट्रोलियम कम्पनी, फूड इण्डस्ट्रीज, रिफाइनरीज, टेक्सटाइल मिल, टावर कम्पनी, इलेक्ट्रॉनिक कम्पनी, कोयले की खदानों एवं जहाजों आदि क्षेत्रों में फायर सेफ्टी के जानकारों को बहुत अधिक मौका मिलता है

नोट: फायर सेफ्टी कोर्स करें और देश-विदेश, सरकारी और प्राइवेट क्षेत्रों में अच्छे पैकेज के साथ नौकरी पायें।

Visit us at www.nainiiti.com Call: 9415608710, 7459860480





भारत के आयुष शेड्डी ने वर्ल्ड चैंपियन को हराया,बैडमिंटन वर्ल्ड चैंपियनशिप में 3 गेम में मात दी

स्पोर्ट डेस्क। भारत के युवा बैडमिंटन स्टार आयुष शेड्डी ने बैडमिंटन वर्ल्ड चैंपियनशिप के पहले राउंड में वर्ल्ड चैंपियन और वर्ल्ड नंबर-1 चीन के शी यू ची को हरा दिया। नई दिल्ली के इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम में सोमवार से शुरू

7 देसी डिहाइड्रेशन से बचाएं, शरीर को रखें ठंडा,घर पर बनाने के आसान तरीके

लखनऊ। गर्मियों में तेज धूप और ज्यादा पसीने के कारण शरीर से पानी के साथ जरूरी इलेक्ट्रोलाइट्स भी बाहर निकल जाते हैं। ऐसे में सिर्फ पानी पीना पर्याप्त नहीं होता है। घर पर बने नेचुरल और पारंपरिक ड्रिंक्स शरीर को अंदर से ठंडक देते हैं। साथ ही डिहाइड्रेशन, थकान व हीट स्ट्रोक जैसी समस्याओं से बचाने में मदद करते हैं। इसलिए 'जरूरत की खबर' में आज हम आपवगो 7 नेचुरल समर हाइड्रेशन ड्रिंक्स के बारे में बताएंगे, जो शरीर को अंदर से कूल रखते हैं। विषय को समझेंगे एक्सपर्ट: डॉ. पूनम तिवारी, सीनियर डाइटीशियन, डॉ. राम मनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान, लखनऊ जी के साथ सवाल जवाब के माध्यम से।

सवाल- कौन से नेचुरल ड्रिंक्स शरीर को हाइड्रेट करते हैं? जवाब- कई नेचुरल ड्रिंक्स शरीर में पानी, ग्लूकोज, विटामिन और मिनरल्स का संतुलन बनाए रखते हैं। आम-पना, सत्तू, बेल, छाछ और जलजीरा एनर्जी देने



के साथ पाचन में मदद करते हैं। आमपना-सामाग्री -चीनी या गुड़, काला नमक, जीरा पाउडर, पुदीना, ठंडा पानी- आमपना गर्मियों में लू और धूप से बचाता है। यह शरीर को ठंडक देता है और इलेक्ट्रोलाइट्स की पूर्ति करता है। इसका खट्टा-मीठा स्वाद ताजगी देता है और इम्यूनिटी बढ़ाता है। इसे बनाने के लिए कुछ सामग्रियों की जरूरत होती है-कुछ कच्चे आम जिनके कूकर में बॉयल करके ठंडा होने पे छिलका और गुठली कनिकल कर गूदा अलग निकल ले फिर उसे पेट्र बना ले और उसमे पुदीना जीरा कला नमक गुड़/चीनी मिला के फिर अच्छे से मथ ले और फिर फ्रिज में ठंडा करके सर्व करें। आमपना के हेल्थ बेनिफिट्स- लू से बचाता है। शरीर का तापमान कंट्रोल में रखता है। विटामिन सी से भरपूर है। इम्यूनिटी मजबूत करता है। डिहाइड्रेशन और कमजोरी दूर करता है। सत्तू का शरबत-सत्तू का शरबत गर्मियों में शरीर को ठंडा और एनर्जेटिक रखने वाला देसी ड्रिंक है। भुने चने से बना सत्तू प्रोटीन और फाइबर से भरपूर होता है, जो लंबे समय तक पेट भरा रखता है। यह डिहाइड्रेशन से बचाता है और शरीर को कूल रखता है। इसे बनाने के लिए कुछ सामग्रियों की जरूरत होती है- 1 खीरा, पुदीना पत्तियां, नींबू, काला नमक, पानी, बनाने की विधि छोटे-छोटे टुकड़ों में काटें। दोनों को पीस लें। ठंडा पानी मिलाएं। मिश्रण को छान लें। नींबू रस, काला नमक डालें। ठंडा करके सर्व करें। खीरा-पुदीना ड्रिंक के फायदे-बॉडी को डिटॉक्स करता है। स्किन को हाइड्रेट रखता है। वेट लॉस में मददगार है। तुरंत प्रेशनेस देता है। बॉडी को हाइड्रेट रखता है। नींबू पानी



एसिडिटी से राहत देता है। शरीर को ठंडक देता है। हीट स्ट्रोक से बचाता है। शरीर को हाइड्रेट रखता है। खीरा-पुदीना ड्रिंक-यह ड्रिंक शरीर को हाइड्रेट और फ्रेश रखता है। खीरे में ज्यादा पानी होने से ठंडक मिलती है। पुदीना ताजगी देता है और पाचन सुधारता है। यह ड्रिंक डिटॉक्स करता है और स्किन को हाइड्रेट रखता है। इससे पूरा दिन तरताजा महसूस होता है। इसे बनाने के लिए कुछ सामग्रियों की जरूरत होती है- 1 खीरा, पुदीना पत्तियां, नींबू, काला नमक, पानी, बनाने की विधि छोटे-छोटे टुकड़ों में काटें। दोनों को पीस लें। ठंडा पानी मिलाएं। मिश्रण को छान लें। नींबू रस, काला नमक डालें। ठंडा करके सर्व करें। खीरा-पुदीना ड्रिंक के फायदे-बॉडी को डिटॉक्स करता है। स्किन को हाइड्रेट रखता है। वेट लॉस में मददगार है। तुरंत प्रेशनेस देता है। बॉडी को हाइड्रेट रखता है। नींबू पानी

में पसंद किया जाता है। इसे बनाने के लिए कुछ सामग्रियों की जरूरत होती है- पुदीना, धनिया, जीरा, काला नमक, नींबू, पानी। जलजीरा पीने के फायदे-पाचन को दुरुस्त करता है। भूख बढ़ाता है। शरीर को ठंडक देता है। गैस और एसिडिटी में राहत देता है। बॉडी हाइड्रेट रखता है। सवाल- ड्रिंक्स बनाते समय क्या सावधानियां बरतनी चाहिए? जवाब- गर्मी में हाइड्रेशन ड्रिंक्स बनाते समय हाइजीन और संतुलन का खास ध्यान रखना जरूरी है। जैसेकि हमेशा ताजे और साफ पानी का इस्तेमाल करें। फल-सब्जियों को अच्छी तरह धोकर ही यूज करें। ज्यादा चीनी डालने से बचें। ड्रिंक्स को लंबे समय तक स्टोर न करें। प्रेश ड्रिंक बनाकर ही पिएं। बहुत ज्यादा ठंडा या बर्फ वाला ड्रिंक न लें। डायबिटीज का उद्देश्य उसे एडाई से दूर रखना नहीं, बल्कि सही यूज सिखाना होना चाहिए। एडाई पर डिपेंडेंसी का बच्चे पर प्रभाव-एडाई टूल्स पर

बच्चों को अब होमवर्क के लिए मोबाइल की जरूरत पड़ रही है हर सवाल एडाई से तो खुद क्या सीख पायेंगे- क्या करें?

जयपुर। विषय को समझेंगे- एक्सपर्ट: डॉ. अमिता श्रृंगी, साइकोलॉजिस्ट, फॅमिली एंड वाइल्ड काउंसलर, जयपुर जी के साथ। सवाल- मैं पटना का रहने वाला



हूं। मेरी 13 साल की बेटी सातवीं कक्षा में पढ़ती है। पिछले कुछ समय से अपने होमवर्क और प्रोजेक्ट के लिए वह एडाई टूल्स का इस्तेमाल करने लगी है। उसे कुछ भी पूछना-जानना हो तो सीधे चैट जीपीटी से पूछकर जवाब कॉपी कर लेती है। खुद सोचने या मेहनत करने से बचने लगी है। मुझे लगता है कि जैसे वह अब इसी पर निर्भर हो गई है। हमें डर है कि कहीं इससे उसकी सोचने-समझने की क्षमता और लॉगि एबिलिटी कम न हो जाए। हमें क्या करना चाहिए? जवाब- आपकी चिंता बिल्कुल वाजिब है। आज के समय में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एडाई) बच्चों की पढ़ाई और रोजमर्रा की जिंदगी का हिस्सा बन चुका है। इसलिए बच्चों का एडाई टूल यूज करना स्वाभाविक है। लेकिन उन्हें इसका सही इस्तेमाल सिखाना जरूरी है। अगर एडाई टूल्स का सही इस्तेमाल किया जाए तो ये सीखने का एक अच्छा मीडियम बन सकता है। लेकिन समस्या तब होती है, जब बच्चा पूरी तरह इस पर निर्भर हो जाता है। इससे उसकी सोचने-समझने और समस्या हल करने की क्षमता कम होने लगती है। आपने बताया कि आपकी बेटी पढ़ाई में अच्छी है। लेकिन अब वह मेहनत से बचने के लिए सीधे एडाई टूल्स से जवाब लेने लगी है। यह डिपेंडेंसी का एक संकेत है। लेकिन आपने सही समय पर इसे नोटिस



ही दिमाग तेज और एक्टिव होता है। लेकिन जब यह प्रक्रिया कम होने लगती है, तो धीरे-धीरे सोचने-समझने और एनालिसिस करने की क्षमता कमजोर पड़ सकती है। इसके अलावा एडाई पर निर्भरता से बच्चे में धैर्य की कमी, जल्दी हार मानने की आदत और कॉपी-पेस्ट लॉगि जैसी आदतें आ सकती हैं। ये आदतें

की तुलना करें। इससे उसे दो फायदे होंगे- वह खुद सोच पाएगी। एडाई से नई जानकारी भी सीख पाएगी। इसके अलावा बच्ची को ऐसी एक्टिविटीज में शामिल करें, जो उसकी इमैजिनेशन और क्रिएटिविटी को बढ़ाएं। बच्चे से बातचीत जरूरी इस उम्र में बच्चों के साथ बातचीत बहुत जरूरी होती



किया है। इसलिए चिंता की कोई बात नहीं है। इसे समझदारी के साथ आसानी से हैंडल किया जा सकता है। ध्यान रखें, एडाई एक महत्वपूर्ण तकनीक है और आगे इसका इस्तेमाल बढ़ेगा। इसलिए पेरेंट्स का उद्देश्य उसे एडाई से दूर रखना नहीं, बल्कि सही यूज सिखाना होना चाहिए। आपने बताया कि आपकी बेटी पढ़ाई में अच्छी है। लेकिन अब वह मेहनत से बचने के लिए सीधे एडाई टूल्स से जवाब लेने लगी है। यह डिपेंडेंसी का एक संकेत है। लेकिन आपने सही समय पर इसे नोटिस किया है। इसलिए चिंता की कोई बात नहीं है। इसे समझदारी के साथ आसानी से हैंडल किया जा सकता है। ध्यान रखें, एडाई एक महत्वपूर्ण तकनीक है और आगे इसका इस्तेमाल बढ़ेगा। इसलिए पेरेंट्स का उद्देश्य उसे एडाई से दूर रखना नहीं, बल्कि सही यूज सिखाना होना चाहिए। एडाई पर डिपेंडेंसी का बच्चे पर प्रभाव-एडाई टूल्स पर

आगे चलकर बच्चे की पढ़ाई और पर्सनैलिटी दोनों को प्रभावित करती हैं। पेरेंट्स बच्चे को समझाएं कि एडाई एक लॉगि टूल है, जो उनकी पढ़ाई और समझ को बेहतर बनाने में मदद कर सकता है। लेकिन यह कभी भी टीचर या उनके अपने दिमाग का विकल्प नहीं बन सकता। बच्चे के बताएं कि जब वे खुद सोचते हैं, सवाल करते हैं, अलग-अलग संभावनाओं को समझते हैं और गलती करके उससे सीखते हैं। इसलिए जरूरी है कि एडाई का इस्तेमाल केवल गाइड या सपोर्ट के रूप में किया जाए, न कि शॉर्टकट के तौर पर। सवाल या होमवर्क में पहले खुद प्रयास करने के लिए प्रेरित करें। जब कहीं अटक जाए, तभी एडाई की मदद लेने को कहें। एडाई से मिला जवाब सीधे इस्तेमाल करने के बजाय उसे पढ़कर समझना और अपने शब्दों में लिखने को कहें। होमवर्क या पढ़ाई के दौरान एडाई का कब और कितना इस्तेमाल करना है, इसके लिए स्पष्ट नियम

हैं। अगर पेरेंट्स सीधे यह कहते हैं कि 'एडाई मत यूज करो' तो बच्चा इससे चिड़चिड़ा हो सकता है। इसलिए बेहतर है कि आप अपनी बेटी से बातचीत करें और उससे पूछें कि 'उसे एडाई में क्या अच्छा लगता है', 'वह इसका इस्तेमाल क्यों करती है।' जब बच्ची खुलकर अपनी बात बताएगी तो आप उसकी बच्ची को समझेंगे। आप उसे यह समझा सकते हैं कि एडाई से मदद लेना ठीक है, लेकिन सीखना बहुत जरूरी है। याद रखें, एडाई के यूज के साथ संतुलन जरूरी है। अंत में यही कहूंगी कि आप अपनी बच्ची को समझाएं कि एडाई एक 'टॉर्च' की तरह है, जो रास्ता दिखा सकती है, लेकिन चलना उसे खुद ही होता है। जब वह समझेंगी कि एडाई सिर्फ हेल्पिंग टूल है, उसे अपनी सोच-समझ के लिए मेहनत और जिज्ञासा बनाए रखनी होगी, तभी वह तकनीक का संतुलित और सही उपयोग करना सीख पाएगी।

बैडमिंटन वर्ल्ड चैंपियनशिप- लक्ष्य सेन और उमति हुड्डा सिंगल्स खेलेंगे,डबल्स में 4 जोड़ियां उतरेगी, पीवी सिंधु और आयुष की जीत से शुरुआत

स्पोर्ट डेस्क। बैडमिंटन वर्ल्ड चैंपियनशिप में आज अपने 6 मुकाबले खेलेंगी। इनमें लक्ष्य सेन मुकाबले-विमेंस डबल्स के दोनों मुकाबले राउंड ऑफ 32 में खेलें जाएंगे। कविप्रिया सेल्वम और



मेंस सिंगल्स और उमति हुड्डा विमेंस सिंगल्स में उतरेगी। वहीं टीम विमेंस डबल्स में और मिक्स्ड डबल्स में 2-2 मुकाबले खेलेंगी। भारत ने टूर्नामेंट के पहले दिन शानदार शुरुआत की है। पीवी सिंधु, आयुष शेड्डी और तीन डबल्स जोड़ियां अपने-अपने मुकाबले जीतकर अगले राउंड में पहुंच चुकी हैं। लक्ष्य सेन अपना पहला मुकाबला खेलेंगे-लक्ष्य सेन राउंड ऑफ 64 में रोमानिया के कॉलिन्स फिलिमोन से भिड़ेंगे। टूर्नामेंट में लक्ष्य का यह पहला मुकाबला होगा। लक्ष्य अटैकिंग गेम के दम पर जीत के साथ शुरुआत करना चाहेंगे। विमेंस सिंगल्स में उमति हुड्डा का मुकाबला म्यांमार की थुजार थेट हार तिन से होगा। यह भी राउंड ऑफ 64 का मुकाबला है। रोहन कपूर-रुक्मिका की जोड़ी के सामने कनाडा-मिक्स्ड डबल्स में के राउंड ऑफ 64 में भारत की 2 जोड़ियां खेलेंगी। रोहन कपूर और रुक्मिका शिवांगी गड्डे के सामने कनाडा के जोनाथन बिंग त्सान लाई और क्रिस्टल लाई होंगे। वहीं दूसरे मुकाबले में अश्वि सूर्य और अमृता प्रमथेश का मुकाबला तुर्किये के एग्रे सोनमेज और यासेमेन बेतास से होगा। विमेंस डबल्स में भी भारत के 2

सिमरन सिंधी की जोड़ी राउंड ऑफ 32 में बुल्गारिया की गैब्रिएला स्टोएवा और स्टेफानी स्टोएवा से भिड़ेगी। दूसरे मैच में ट्रीसा जॉली और गायत्री गोपीचंद की जोड़ी अमेरिका की लॉरेन लैम और एलिसन ली से खेलेंगी। आयुष शेड्डी का पहले दिन बड़ा उल्टफेर-भारत के लिए टूर्नामेंट का पहला दिन बेहद खास रहा। आयुष शेड्डी ने वर्ल्ड नंबर-1 और डिफेंडिंग चैंपियन चीन के शी यू ची को 21-14, 13-21, 21-19 से हराकर बड़ा उल्टफेर किया। दोनों के बीच मुकाबला 73 मिनट चला। यह आयुष का पहला वर्ल्ड चैंपियनशिप है।

सिंधु ने भी आसान जीत से शुरुआत की-दो बार की ओलंपिक मेडलिस्ट पीवी सिंधु ने पहले दिन सोफिया नोबल को 21-7, 21-11 से हराया। मुकाबला सिर्फ 29 मिनट चला। सिंधु अब कनाडा की वेन यू झांग के खिलाफ खेलेंगी।

भारत के लिए डबल्स में हरिहरन अम्साकरण-एमआर अर्जुन, ट्रीसा जॉली-गायत्री गोपीचंद और कविप्रिया सेल्वम-सिमरन सिंधी की जोड़ियों ने भी जीत दर्ज कर अगले राउंड में जगह बनाई।

हॉकी वर्ल्डकप में इंग्लैंड ने भारत को 4-2 से हराया,निक बंडुराक ने पेनल्टी पर 2 गोल दागे, अब पाकिस्तान से जीतना जरूरी

स्पोर्ट डेस्क। भारतीय टीम मेंस हॉकी वर्ल्ड कप में इंग्लैंड के खिलाफ 4-2 से हार गई है।



सोमवार को एम्स्टेलवीन के वैगनर स्टेडियम में भारत हाफ टाइम तक 2-1 से आगे था। लेकिन, दूसरे हाफ में इंग्लैंड ने तीन गोल कर मैच पलट दिया। इस हार के साथ वर्ल्डकप में इंग्लैंड के खिलाफ भारत की जीत का इंतजार 32 साल का हो गया। उसने आखिरी बार 1994 में इंग्लैंड को हराया था। इंडिया का अगला मैच 19 अगस्त को पाकिस्तान से होगा। पहला क्वार्टर : बंडुराक के गोल से इंग्लैंड आगे-भारत ने तेज शुरुआत की। उसे छठे मिनट में गोल का मौका मिला, लेकिन जरमनग्रीत सिंह का शॉर्ट गोल पोस्ट के बाहर चला गया। 14वें मिनट में निकोलस बंडुराक पेनल्टी कॉर्नर पर गोल करके इंग्लैंड को 1-0 से आगे कर दिया। उनका शॉर्ट इतना तेज था कि भारतीय गोलकीपर मोहित रिएक्ट तक नहीं कर सके। दूसरा क्वार्टर : हरमनग्रीत, दिलग्रीत ने गोल किए-शुरुआती 15 मिनट में पिछड़ने के बाद भारतीय कप्तान हरमनग्रीत ने 17वें मिनट पर मिले पेनल्टी कॉर्नर पर गोल किया। 24वें मिनट में हार्दिक और अभिषेक ने शानदार मूव बनाया। इस पर दिलग्रीत सिंह ने फील्ड गोल करके भारत को 2-1 से आगे कर दिया। हाफ टाइम तक यही स्कोर रहा। तीसरा क्वार्टर : 2 गोल हुए, इंग्लैंड की वापसी-39वें मिनट में स्टुअर्ट रशमेयर ने शानदार फिलक से डिप्लेक्ट कर गोल कर दिया। यहां इंग्लैंड ने स्कोर 2-2 से बराबर कर दिया। 44वें मिनट में रशमेयर ने गेंद हैनरी क्रॉफ्ट के पास पहुंचाई। क्रॉफ्ट ने जोरदार हिट लगाकर गोल पोस्ट के निचले कोने में पहुंचा दिया। यहां इंग्लैंड 3-1 से आगे हो गया। चौथा क्वार्टर :

बंडुराक का दूसरा गोल-51वें मिनट में गोल का मौका मिला। लेकिन अभिषेक का शॉर्ट गोल पोस्ट के बेहद करीब से बाहर निकल गई। 54वें मिनट में बंडुराक ने इंग्लैंड को पेनल्टी कॉर्नर दिलाया। उन्होंने सुमित के पैर पर गेंद मारी। इस मौके पर बंडुराक ने गोल किया। उन्होंने पेनल्टी पर दूसरा गोल किया। इंग्लैंड लगातार दूसरी जीत, ग्रुप-डी के टॉप पर-इंग्लैंड ने फुल-डी में लगातार दूसरी जीत दर्ज की। टीम दो मैचों में दो जीत के साथ टॉप पर है। भारत के खाले में एक जीत और एक हार है। दोनों टीमों का स्क्वॉड-भारत: हरमनग्रीत सिंह (कप्तान), जरमनग्रीत सिंह, अभिषेक, मनग्रीत सिंह, हार्दिक सिंह, दिलग्रीत सिंह, मंदीप सिंह, सुमित, नीलकंठ शर्मा, लालगे आदित्य अर्जुन, शशिबुद्धिमार मोहिथ होब्रेनहल्ली, अमित रोहिदास, जुगराज सिंह, विवेक सागर प्रसाद, सुखजीत सिंह, यशदीप सिवाव, संजय, सूरज करकेरा (गोलकीपर), राजेंद्र सिंह, शिलानंद लाकड़ा। इंग्लैंड: जैचरी वॉल्स (कप्तान), निकोलस पार्क, जैक वॉलर, थॉमस सॉर्सबी, हैनरी क्रॉफ्ट, सैम वार्ड, जेम्स अल्बरी, फिल रोपर, जेम्स मजारेजो (गोलकीपर), स्टुअर्ट रशमेयर, टिमोथी नर्स, डेविड गुडफील्ड, ऑलिवर पेन (गोलकीपर), निकोलस बंडुराक, जेम्स गॉल, लियाम सैन्फोर्ड, कॉर्नर विलियमसन, विल कॅलनन, सैमुअल ह्यूपर, बेन फॉक्स। भारत की इंग्लैंड के खिलाफ 2-4 से हार का सामना करना पड़ा। दूसरे क्वार्टर में भारत ने शानदार खेल दिखाया और दो गोल करके बढ़त हासिल की, लेकिन दूसरे हाफ में इंग्लैंड पूरी तरह हावी रहा। इंग्लैंड ने तीसरे क्वार्टर में दो और चौथे क्वार्टर में एक गोल कर मुकाबला अपने नाम कर लिया। इस हार के बाद भारत के लिए आगले मुकाबले में पाकिस्तान के खिलाफ जीत जरूरी हो गई है, ताकि वह राउंड-2 के लिए सीधे क्वालिफाई कर सके। हालांकि, अगर वेल्स की टीम इंग्लैंड को नहीं हारा पाती है तो पाकिस्तान के खिलाफ ड्रॉ भी भारत के लिए पर्याप्त होगा।

धरती पर प्रदूषण को हमने चरम तक पहुंचा दिए ,कहीं लाखो पेड़ काटे कहीं टनों कचरा बहाया

नयी दिल्ली। धरती बचाने के 5 उपाय, जो आपके हाथ में हैं,1. पेड़ों को 'गोद' लें : अपने

परिवार यह अपना ले तो रोज 20 लीटर पानी बचा सकता है। रोज 30 हजार हेक्टेयर वन नष्ट-

यह समुद्री जीवन को नष्ट कर रहा है। इसान हर हफ्ते 4.1 माइक्रो ग्राम प्लास्टिक खा रहा

हर दिन वातावरण में औसतन 10 करोड़ टन से अधिक सीओ2 छोड़ी जाती हैं। इससे धरती की ओजोन



आसपास के पेड़ों की देखभाल करें और हर साल नए पौधे लगाएं। 2. प्लास्टिक से दूरी बनाएं : इस तरह माइक्रो प्लास्टिक आपकी फूड चेन में जाने से रुकेगा। 3. फूड बैंक की पहल करें : अतिरिक्त भोजन जरूरतमंदों तक पहुंचाएं, अन्न की बर्बादी रोकें। 4. सोलर एनर्जी अपनाएं : फॉसिल फ्यूल की तुलना में सौर ऊर्जा 90फीसदी कम प्रदूषण करती है। 5. लो-फ्लो नल लगाएं : अगर हर

दुनिया में हर दिन लगभग 25,000 से 30,000 हेक्टेयर वन क्षेत्र नष्ट हो जाता है। यानी रोज लगभग 4.1 करोड़ पेड़ काटे जाते हैं। इससे धरती बंजर हो रही है। इसलिए वातावरण में सीओ2 बढ़ रही है। धरती का औसत तापमान व भीषण बाढ़ की घटनाएं बढ़ रही हैं। हमारे पेट में भी जा रहा है प्लास्टिक-हर दिन लगभग 2,100 टुक के बराबर प्लास्टिक समुद्री में फेंका जाता है। यह सालाना 1.1 करोड़ टन होता है।

है। इससे कैंसर जैसी बीमारियों का खतरा बढ़ रहा है।? 1 अरब टन खाना बर्बाद हो रहा है-सालाना 1 अरब टन से अधिक भोजन दुनिया बर्बाद कर रही है। हर दिन लगभग 25-30 लाख टन खाना कचरे में जा रहा है। यह धरती की देन का दुरुपयोग है। करोड़ों लोग भूखे सो रहे हैं। इस बर्बादी से बनने वाली 'मीथेन गैस' धरती का तापमान बढ़ा रही है। रोज 10 करोड़ टन कार्बन स्टोरेज-मानवीय गतिविधियों के कारण

परत नष्ट हो रही है। इसलिए ग्लेशियर पिघल रहे हैं। समुद्र का स्तर बढ़ रहा है। विनाशकारी हीटवेव (लू) चल रही हैं।रोज 345 अरब लीटर पानी बह रहा है-हर साल दुनिया में 126 अरब क्यूबिक मीटर साफ पानी बर्बाद होता है। यानी हर दिन लगभग 345 अरब लीटर साफ पानी हम बर्बाद कर रहे हैं। दुनिया की 25फीसदी आबादी 'वाटर स्ट्रेस' से जूझ रही है और कई बड़े शहर 'डे ज़ैरो' की ओर बढ़ रहे हैं।

इंसान हो या कंपनी, लगातार अडेप्टेशन ही टिकाऊ विकास का जरिया बनता है

आप में से कितने लोग ऐसे किसी व्यक्ति और कंपनी का नाम बता सकते हैं, जो बाजार के ठहराव से आगे निकलने के लिए अपनी स्किल, स्ट्रैटजी और

देश की कंज्यूमर-इलेक्ट्रॉनिक्स इंडस्ट्री बेहद समृद्ध थी। लेकिन सोनी के सीईओ हिरोकी टोटोकि भावनाओं में बहने वाले व्यक्ति

प्रोडक्ट्स दूसरे क्षेत्रों में फोकस कर रहे थे तो कंपनी ने लगभग 3.4 अरब डॉलर में कोलंबिया पिक्चर्स को खरीदा, जिसमें

कोच के रूप में उन्होंने अपने जबरदस्त कर्क-एथिक्स के साथ टीम को गाड़ दिया। बाद में अपने एनालिटिकल दिमाग का इस्तेमाल करते हुए उन्होंने इंडियन नेशनल टीम और आईपीएल फ्रैंचाइजियों के मेटर और कोच के रूप में काम किया। वह स्पोर्ट्स टेक्नोलॉजीज के को-फाउंडर बने, जहां उन्होंने अपने एनालिटिकल खेल अनुभव और टेक्नोलॉजी को मिलाकर स्मार्ट बैट सेंसर विकसित किए, जो बैटिंग परफॉर्मेंस को रियल-टाइम में ट्रैक करते हैं। एक वाइल्डलाइफ फोटोग्राफर के तौर पर उन्होंने अपनी बारीक

स्ट्रक्चर में लगातार बदलाव कर रही हों? मेरे पास दोनों श्रेणियों के एक-एक उदाहरण हैं। दोनों की कहानी यहां पेश है। जब मैंने इलेक्ट्रॉनिक्स इंडस्ट्री कवर करना शुरू किया तो देखा कि दस साल के शोध में हिताची, पैनासोनिक, तोशिबा, फुजित्सु, सान्यो और सोनी- ये छह कंपनियां बहुत अच्छा प्रदर्शन नहीं कर रही थीं। पहली पांच कंपनियों को तो घाटा हो रहा था, जबकि सोनी ने अपने टर्नओवर पर महज 1.4फीसदी मुनाफा कमाया। लेकिन मैंने देखा कि वीडियो गेम बनाने वाली सातवीं कंपनी निनटेंडो, जिसका आकार सोनी का 1/9 था, टर्नओवर पर 15.3फीसदी मार्जिन कमा रही थी। इसी समय जाकर सोनी को महसूस हुआ कि उसे यथाशीघ्र इलेक्ट्रॉनिक्स से इंटरटेनमेंट क्षेत्र में जाना होगा। मार्च 2026 में जब सोनी ने कहा कि वह अपने टेलीविजन बिजनेस को एक चीनी प्रतिद्वंद्वी कंपनी के साथ नए जॉइंट वेंचर को सौंप रही हैं तो जापान में कई लोगों ने उन पुराने दिनों की कसक महसूस की, जब

नहीं हैं। उनके नेतृत्व में आज दुनिया की सबसे जानी-मानी इलेक्ट्रॉनिक्स फर्म इंटरटेनमेंट क्षेत्र में आगे बढ़ रही हैं, जिसका फोकस म्यूजिक, मूवीज और वीडियो गेम्स पर है। सोनी की 'स्पाइडर-मैन' फिल्मों की नवीनतम कड़ी ने अगस्त के शुरुआती वीकेंड में दुनिया भर में 900 मिलियन डॉलर से ज्यादा की कमाई की। डिज्नी की 'एवेंजर्स: एंडगेम' के बाद यह अब तक का दूसरा सबसे बड़ा मूवी लॉन्च है। इससे पहले माइकल जैक्सन की बायोपिक 'माइकल' ने सोनी की म्यूजिक यूनिट का मुनाफा नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया था। चलिए, अकादमिक रुचि के लिए सोनी के इतिहास पर नजर डालिए। 1946 में बमबारी से तबाह टोक्यो में यह कंपनी रेडियो-रियेयर शॉप के रूप में शुरू हुई थी। चार साल बाद, 1950 में टेप रिकॉर्डर और रेडियो बनाने लगी। 1979 में इसने वॉकमैन, फिर हैंडीकैप और डिस्कमैन जैसे दूसरे प्रोडक्ट बनाए और सोनी क्वालिटी और कूल होने का पर्याय बन गई। 1989 में जब इलेक्ट्रॉनिक्स

उसका कर्ज भी शामिल था। आज सोनी की सालाना कमाई का दो-तिहाई से ज्यादा हिस्सा मोशन पिक्चर्स, म्यूजिक और वीडियो गेम्स से आता है। अब अनिल कुंबले को लीजिए। छत्तीसगढ़ के राजनांदगांव में क्रिकेटर अनिल कुंबले से ऑफ-फील्ड वह मेरी पहली मुलाकात थी। इससे पहले उनसे मुलाकात हमेशा क्रिकेट मैदानों या स्टेडियमों में हुई थीं। पहली बार हम घास पर साथ चल रहे थे और मैंने देखा कि उनकी आंखें चारों ओर की हरियाली पर टिकी थीं। वो किसी क्रिकेटर की आंखें नहीं थीं, जो बल्लेबाज के फुट-मूवमेंट देख रहा हो, बल्कि ऐसे जिज्ञासु आंखें थीं जो वाइल्डलाइफ पर फोकस कर रही थीं। उन्होंने इजीनियर के लेा-स्पिरन बने ऐसे खिलाड़ी के रूप में क्रिकेट में कदम रखा, जिसके पास पारंपरिक तौर पर बहुत ज्यादा टर्न नहीं था।

इसके बजाय उन्होंने घातक सटीकता, गति में मामूली बदलाव और रणनीतिक अनुशासन को अपनाया। फिर उन्होंने नेतृत्व की भूमिका अपनाई। कप्तान और

रह गए हैं

ईरान में अमेरिका के तमाम कथित लक्ष्य अधूरे

इजराइल और अमेरिका ईरान के खिलाफ जो जंग लड़ रहे हैं, उसकी शुरुआत उन्होंने बड़े नाटकीय ढंग से की थी। लेकिन आज इस जंग को जीतने का दावा करने वाले- खासकर अमेरिका- जिस तरह गतिरोध वाली हालत में फंसे हैं, वह भी उतना ही नाटकीय है। 'नाटकीयता' का तत्व ईरान के शीर्ष आध्यात्मिक, सैन्य, वैचारिक एवं बौद्धिक नेतृत्व की हत्या में निहित था और गतिरोध का तत्व हार मानने से ईरान के जिद्दी इनकार में निहित है। इन सबसे कुछ सवाल उभरते हैं। हत्याएं क्या आपके दुश्मन के

सफाए की गारंटी हो सकती हैं? क्या इससे बेहतर कोई समझदारी वाला तरीका हो सकता है? क्या इजराइल-अमेरिका गठबंधन अपनी खास चाल चलना भूल गया? क्या ऐसे किसी और युद्ध का इतिहास हमें कुछ और सिखाता है? भारत के जो अनुभव रहे हैं उनसे क्या कुछ सीख मिलती है? इनमें से पहले सवाल को छोड़ बाकी के जवाब हां हैं। इजराइल अपना अस्तित्व बचाने की लड़ाई लंबे समय से लड़ रहा है। वह इसलिए निराश होगा कि ईरान में सत्कार नहीं बदली। लेकिन ईरान कमजोर हुआ है, उसके

परमाणु कार्यक्रम को बड़ा सटका लगा है और उसका मिसाइल सिस्टम काफी हद तक खत्म हो गया है- ये सब कम कीमत पर मिली बड़ी सफलताएं हैं। लेबनान में भी हिज्बुल्ला का कमजोर होना उसके लिए फायदा ही है। अगर इजराइल अपने आसपास की स्थिति देखते हुए अपने लिए थोड़ा समय चाहता था, तो यह अच्छी रणनीति थी। लेकिन अमेरिका का क्या? वह ईरान में सत्ता बदलना चाहता था, उसके परमाणु कार्यक्रम को खत्म करना चाहता था और खाड़ी देशों (जीसीसी) को सुक़्शा

का भरोसा देना चाहता था। इन तीनों में वह सफल नहीं हो पाया।ईरान में वही सरकार बनी रही, बल्कि अब ज्यादा कट्टरपंथी लोग सत्ता में आ गए हैं। जहां तक यूरेनियम का सवाल है, ईरान उसे वापस करने या अपने परमाणु कार्यक्रम को निगामी में लाने को तैयार नहीं है। उसके मिसाइल लॉन्चर जरूर कम हुए हैं, लेकिन उन्हें रोकने वाले सिस्टम भी कम हो गए हैं। जब-जब ट्रम्प या उनके 'सेक्रेटरी ऑफ वार' पीट हेगसेथ कहते हैं कि ईरान की नौसेना और वायुसेना खत्म हो गई हैं, तब हंसी आती है।

अमीर बनने के लिए अलग तरह के रास्ते अख़्तियार करने पड़ते हैं

अक्सर हम सोचते हैं कि पैसा बचाना ही अमीरी का रास्ता

शायद नामुमकिन लगे। लेकिन इस वेबसाइट की असली

के हैं और आज भी सक्रिय हैं। निरंतरता: वे पिछले 80 से



है, लेकिन हकीकत अलग है। हाल ही में मेरी नजर ब्रिटेन के एक बैंकर टिम टॉबमैन की वेबसाइट 'thecrazyplan.com' पर पड़ी। टिम ने 2024 में इस प्लेटफॉर्म की शुरुआत की थी। उनका दावा रोमांचक है: एक नौसिखिया निवेशक को 'शून्य' से 'अरबपति' बनाने का सफर। यहां 1 अरब डॉलर (करीब 9,400 करोड़ रुपए से अधिक) की बात हो रही है, जो सुनने में

खुबसूरती उनके द्वारा दी जाने वाली वित्तीय शिक्षा में छिपी है। टिम कहते हैं कि दुनिया के सबसे अमीर व्यक्तियों में शुमार वॉरेन बफे (95 साल) की संपत्ति 150 अरब डॉलर (करीब 1.42 लाख करोड़ रुपए) से ज्यादा है। लोग बफे की कामयाबी की चर्चा तो करते हैं, लेकिन उन तीन बुनियादी बातों को भूल जाते हैं जिन्होंने उन्हें 'दिग्गज' बनाया...लंबी उम्र: वे 95 वर्ष

अधिक वर्षों से निवेश कर रहे हैं। सादगी: वे अपनी कमाई से बहुत कम खर्च करने और अनुशासन के साथ जीने के लिए जाने जाते हैं। टिम का क़ेजी प्लान यह दिखाता है कि कोई भी व्यक्ति अकल्पनीय संपत्ति बना सकता है। उनकी वेबसाइट दो योजनाओं पर टिकी है थली प्लान: हर महीने 50 पाउंड (करीब 6,400 रुपए) की बचत।एकमुश्त प्लान: एक बार में 10,000 पाउंड

(करीब 12.8 लाख रुपए) का निवेश। टिम के कैलकुलेशन के अनुसार, लम्प-सम प्लान एक अरब डॉलर तक पहुंचने में 77 साल और मंथली को 86 साल 8 महीने लगेंगे। इस ब्लॉग में बफे के निवेश सिद्धांतों के कई संदर्भ दिए गए हैं। टिम का कहना है कि बफे ने इस नजरिए से सोचना शुरू किया कि निवेश उनकी परिवार की आने वाली पीढ़ियों के लिए क्या मायने रख सकता है।

आमतौर पर एक निवेशक परिवार के लिए 30-40 साल का समय लेकर चलता है, लेकिन यदि इसी समय सीमा को बढ़ाकर 80 साल कर दिया जाए, तो हर कोई बफे बन सकता है। इसे ऐसे समझें:करीब 13 लाख रुपए की राशि 50 साल में बढ़कर 268 करोड़ रुपए हो सकती है, लेकिन वही राशि 80 साल में 18 हजार करोड़ का विशाल फंड बन जाती है।मैनेजमेंट टिप: याद रखिए बचत से आप अमीर नहीं बन सकते और दौलत रातोरात नहीं बन सकती। ये लंबी यात्रा है। अनुशासित निवेश से न केवल भविष्य सुरक्षित करते हैं, बल्कि अगली पीढ़ी के लिए मजबूत नींव भी रखते हैं। (एन. रघुरामन)

कमाई के आधुनिक तरीके पुराने और छोटे कारोबार में जान नहीं फूंक सकते

हाल ही पूर्णे यात्रा के दौरान मैंने खुद को ऐसे शहर में पाया,

साइकिलें बहुत कम दिखती हैं। कई साल बाद जब मैं नागपुर के

उन्से मिलिए। वो नहीं, बल्कि आप अच्छा महसूस करेंगे। यही कमी



जिसकी शहरी संरचना बिल्कुल बदल चुकी थी। मैं कई किलोमीटर फैल चुके विशाल मेट्रो पिलर्स के नीचे से गुजरा तो उनकी परछाइयां नीचे रेंग रही कारों पर पड़ रही थीं। दमघोंटू ट्रैफिक के बीच मैंने अपने दोस्त से पूछा, 'यहां पहले जो लोग हुआ करते थे, उनका क्या हुआ?' कोल्ड ड्रिंक वाले, नारियल पानी विक्रेता और फ्रूट स्टॉल्स वाले- जो इन खंभों से पहले यहां खड़े रहते थे?' दोस्त ने कहा कि 'किसी शहर के विकास के लिए पुरानी चीजों को हटना ही पड़ता है।' पूरी तरह आर्थिक नजरिए से देखें तो वह सही थे। पुणे नगर निगम ने कमाई का एक फायदेमंद और नया जरिया ढूंढ लिया है। इन पिलर्स पर लगे विज्ञापनों से उसने दो साल में 3.4 करोड़ रुपए से ज्यादा कमाए हैं। अक्टूबर 2024 से मार्च 2026 के बीच यह कमाई लगातार बढ़ी। जैसे-जैसे मेट्रो फैलेगी, इसके और बढ़ने की उम्मीद है। फिर भी, जब नगर निगम साल दर साल फीस बढ़ा रहा है तो कोई यह सोचे बिना नहीं रह सकता कि इस 'प्रगति' की असली कीमत क्या है। यह बदलाव मुझे नागपुर की याद दिलाता है। 50 साल पहले पुणे और नागपुर को साइकिलों के लिए जाना जाता था। आज

सीताबरडी लौटा तो तत्काल ही मैंने उस पंचर वाले को ढूंढा, जो कभी एक कोने में बैठा करता था। मेरे साथ वाले को पता नहीं था कि वह कहाँ गया।उन्होंने कहा कि अब यह कारोबार चलाने के लिए साइकिलें ही बहुत कम बची हैं। मैंने पुरानी आटा चक्कियों और उन टिन कारीगरों के बारे में पूछा, जो तेल के डिब्बों को किचन स्टोरेज में बदल देते थे। लेकिन जवाब वही था कि 'अब कौन खुद अनाज पीसता है' या 'स्टोरेज के तरीके तो बहुत पहले बदल चुके।' मन में ठान कर मैंने दो दिन खोज की और अंततः उस पुराने पंचर वाले को ढूंढ निकाला। वह परिवार के साथ छोटी-सी झोपड़ी में रह रहा था।

मुझे इस वीकेंड मुंबई में महसूस हुई। मेरी गली के आखिर में स्नैक्स

स्कूली दिनों में मेरी साइकिल को बेहद कम खर्च में दुरुस्त रखने के लिए मैंने उन्हें धन्यवाद दिया। उन बहुत-सी मुफ्त मरम्मतों के बदले जब मैंने कुछ पैसे उनकी जेब में रखे तो वो रो पड़े।



अगर आप अपने स्कूल के बाहर 'बैर' बेचने वाली उन बुजुर्ग महिला से नहीं मिले हैं, जो चंद सिक्कों में नमक लगे उबले 'बैर' देती थीं, तो एक बार उन्हें ढूँढिए।

और फूल बेचने वाली 'गजरा वाली' महिला गायब थीं। मुझे बताया गया कि रसोई गैस के बढ़ते दामों के कारण उन्हें काम बंद करना पड़ा। इसी सड़क पर हर सुबह एक

क्यों शिक्षा किसी भी करियर की ‘सबसे अहम बीज’ है?

नागेश एक स्थानीय कॉलेज में लेक्चरर थे। उन्हें खुशी थी कि अपने खेतीबाड़ी के पारिवारिक पेशे की तुलना में उन्हें यहां विद्यार्थियों से

संपर्क किया, जिसने उसे सुवर्ण हाइब्रिड सीड्स प्राइवेट लिमिटेड के एफ-1 हाइब्रिड

और उसी दिन बो दिए। इसी दौरान उन्हें आईविज सीड्स के 'चित्रा कुकंबर' के दो पैकेट



'शांति कुकंबर' के बीज लेने का सुझाव दिया। नागेश ने 19 जुलाई, 2023 को 1750 रुपए में बीज के पांच पैकेट खरीदे

भी मिले और उन्होंने वो भी बो दिए। नागेश ने जमीन तैयार करने, खाद, मजदूरी, ट्रैक्टर कारियाय, क्यारी बनाने,

बांस लगाने, सिंचाई का सामान लेने, उर्वरक और कीटनाशकों सहित खेती पर करीब 1.1 लाख रुपए खर्च किए। लेकिन शुरुआत में ही समस्या आ गई। खराब अंकुरण के कारण 'शांति कुकंबर' वाले पौधों की बढ़ोतरी रुक गई। यह फसल रंग और आकार में कमजोर रही। नागेश ने आपत्ति जताई तो डीअर ने उन्हें निर्माता के पास भेजा।कंपनी के प्रतिनिधि खेत पर आए, फसल देखी, फोटो ली और मामला आगे भेजने का भरोसा दिया। फिर एक और प्रतिनिधि एक अन्य व्यक्ति के साथ आया, जिसे वह वैज्ञानिक बता रहा था। उन्होंने भी आश्वासन दिया कि मूआवजे पर विचार करेंगे।

यूपी के 25 शहरों में बारिश, ऋषिकेश में जीप नदी में फंसी, राजस्थान-दिल्ली समेत 14 राज्यों में अल्ट

लखनऊ। उत्तर भारत के कई हिस्सों में तेज बारिश जारी

10 मीटर सड़क धंस गई है। वाराणसी में 100 से ज्यादा छंटे



है। मौसम विभाग ने राजस्थान-दिल्ली समेत 14 राज्यों में मंगलवार को तेज बारिश की चेतावनी दी है। बंगाल की खाड़ी में बना डिप्रेशन आज आगे बढ़ सकता है। यूपी के 25 शहरों में मंगलवार सुबह से बारिश हो रही है। कई शहरों में सड़कों-अस्पतालों में पानी भर गया। कारें-बाइकें डूब गईं। कानपुर-उन्नाव में 500 से ज्यादा घरों में और प्रतापगढ़ में थाने में पानी भर गया। राज्य के आठ जिलों में स्कूलों की छुट्टी कर दी गई है। उन्नाव में गंगा एक्सप्रेस-वे की मेरठ-प्रयागराज लेन पर करीब

मंदिरों में पानी घुस गया है। उत्तराखंड के ऋषिकेश में बिन नदी में गाड़ी पलट गई। एसडीआरएफ ने गाड़ी में फंसे दो लोगों को सुरक्षित निकाला। मध्य प्रदेश के सतना में मंदाकिनी नदी में बाढ़ आ गई है। एसडीआरएफ तैनात है और घाटों पर बैरिकेडिंग की गई है। मध्य प्रदेश के रीवा-बालाघाट समेत 14 जिलों में मंगलवार को भारी बारिश का अलर्ट है। 24 घंटे के अंदर 4 से 8 इंच तक पानी गिर सकता है। मौसम विभाग के मुताबिक, अगले 3 दिन तेज बारिश का दौर रहेगा। मौसम

विभाग ने आज पूरे बिहार में बारिश की संभावना जताई है। 24 जिलों में ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। जबकि पटना समेत 14 जिलों में यलो अलर्ट है। बिहार में अब तक सामान्य से 41फीसदी कम बारिश दर्ज की गई है। पिछले 24 घंटे में उत्तरी और मध्य छत्तीसगढ़ के कई हिस्सों में बारिश हुई। मौसम विशेषज्ञों ने आज प्रदेश के अधिकांश हिस्सों में हल्की से मध्यम बारिश की संभावना जताई है। मौसम विभाग के अनुसार प्रदेश में मौसमी बारिश सामान्य से 9फीसदी कम है। राजस्थान में कल (19 अगस्त) से बारिश का दौर फिर शुरू होगा। मौसम विभाग ने 19 अगस्त को 10 जिलों में बारिश का यलो अलर्ट जारी किया है। बारिश का ये दौर 20 और 21 अगस्त को और तेज होगा। यूपी में मंगलवार सुबह से लखनऊ, बाराबंकी और सहारनपुर समेत 25 शहरों में बारिश हो रही है। प्रयागराज, प्रतापगढ़, मिर्जापुर, कौशांबी, भदोही, हरदोई, अमेठी और जौनपुर में आज सभी स्कूलों में छुट्टी घोषित कर दी गई है। गंगा और यमुना समेत 10 से ज्यादा नदियां उफान पर हैं।

मुंबई टीआईएसएस के दीक्षांत में सीजेआई चीफ गेस्ट नहीं होंगे,उनकी जगह टाटा मेमोरियल हॉस्पिटल डायरेक्टर को बुलाया; हैदराबाद लॉ यूनिवर्सिटी में विरोध के बाद फैसला

मुंबई। मुंबई वेग टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंसेज (टीआईएसएस) के 86वें दीक्षांत समारोह में अब सीजेआई

सीजेआई के दौरे को लेकर संभावित विरोध और सुरक्षा व्यवस्था को लेकर चिंता थी। नलसार विवाद पर सीजेआई ने

शामिल होने का सवाल ही नहीं उठता। सीजेआई सूर्यकांत के हाल की 3 बयान, जिसपर विवाद हुए-15 मई: सीजेआई ने कहा



डॉ. सीएस प्रमेश टाटा मेमोरियल अस्पताल के डायरेक्टर और मुंबई स्थित टाटा मेमोरियल सेंटर में थोरैसिक सर्जरी विभाग के प्रोफेसर और एचओडी हैं।

सूर्यकांत चीफ गेस्ट नहीं होंगे। 22 अगस्त को होने वाले समारोह में उनकी जगह टाटा मेमोरियल हॉस्पिटल के डायरेक्टर डॉ. सीएस प्रमेश मुख्य अतिथि होंगे। पहले सीजेआई सूर्यकांत को मुख्य अतिथि बनाया गया था और उन्हें दीक्षांत समारोह में भाषण देना था। यह फैसला ऐसे समय आया है, जब हैदराबाद की नलसार यूनिवर्सिटी में 450 से ज्यादा छात्रों ने सीजेआई सूर्यकांत को दीक्षांत समारोह का मुख्य अतिथि बनाए जाने का विरोध किया था। इसके बाद काउंसिल ऑफ इंडिया (बीसीआई) ने लॉ यूनिवर्सिटी के पूरे बैच के छात्रों को वकील के तौर पर एनरोल करने से रोकने का निर्देश दिया था। मामला सुप्रीम कोर्ट तक पहुंचा, जिसके बाद बीसीआई ने अपना आदेश वापस ले लिया था। टीआईएसएस ने चीफ गेस्ट बदलने से पहले कार्यक्रम टाल दिया था टीआईएसएस का दीक्षांत समारोह पहले 2 अगस्त को होना था। हालांकि, इंस्टीट्यूट ने आयोजन से फिर्द दो दिन पहले 'अप्रत्याशित परिस्थितियों' का हवाला देकर टाल दिया था। इससे न केवल टीआईएसएस ने कहा कि उस समय समारोह के लिए अनुकूल माहौल नहीं था। टीआईएसएस ने कहा कि छात्रों, फंक्टरी, कर्मचारियों और मेहमानों की सुरक्षा और सामान्य कैंपस गतिविधियां प्रभावित हो सकती थीं। रिपोर्टरों ने उनके

कहा था- छात्र को विरोध का अधिकार-नलसार यानी नेशनल एकेडमी ऑफ लीगल स्टडीज एंड रिसर्च हैदराबाद की प्रमुख लॉ यूनिवर्सिटी है, जहां करीब 1,400 छात्र पढ़ते हैं। सीजेआई को मुख्य अतिथि बनाए जाने के विरोध की शुरुआत 2026 बैच के करीब 70 छात्रों ने की थी। बाद में यह संख्या बढ़कर 450 से ज्यादा हो गई। छात्रों ने यूनिवर्सिटी प्रशासन को पत्र देकर निमंत्रण वापस लेने की मांग की थी। इसके बाद बीसीआई ने पूरे 2026 बैच के छात्रों के एनरोलमेंट पर रोक लगाने का निर्देश जारी कर दिया। मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंचने पर सीजेआई सूर्यकांत ने कहा कि बीसीआई को मामले में दखल देने की जरूरत नहीं है। सीजेआई ने कहा कि अगर छात्रों के पास विरोध का कोई कारण है तो उन्हें अपनी बात रखने का अधिकार है। कोर्ट ने बीसीआई से जवाब मांगा। साथ ही छात्रों और फैकल्टी के खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई नहीं करने को कहा। इसके बाद बीसीआई ने विवादित सर्वोच्च न्यायालय में दायर किया था-बाद में सीजेआई सूर्यकांत ने कहा था- नलसार का निमंत्रण स्वीकार नहीं किया था-बाद में सीजेआई सूर्यकांत ने यह भी स्पष्ट किया कि उन्होंने नलसार के दीक्षांत समारोह में चीफ गेस्ट बनने का निमंत्रण कभी स्वीकार ही नहीं किया था। उन्होंने कहा कि जब उन्होंने निमंत्रण स्वीकार नहीं किया, तो समारोह में उनके

था- कुछ युवा कॉकरोच की तरह भटक रहे-सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस सूर्यकांत ने एक याचिका पर सुनवाई के दौरान युवाओं पर टिप्पणी की थी। सीजेआई सूर्यकांत ने कहा था- कॉकरोच की तरह ऐसे युवा हैं, जिन्हें इस पेशे में रोजगार नहीं मिल रहा है। इनमें से कुछ मीडिया, कुछ सोशल मीडिया और कुछ आर्टिस्ट और दूसरे तरह के एक्टिविस्ट बन रहे हैं। ये हर किसी पर हमला करना शुरू कर देते हैं।' इस बयान के बाद ही 16 जुलाई को अभिजीत दीपके नाम के शख्स ने कॉकरोच जनता पार्टी नाम से सोशल मीडिया पेज बनाया। इसने ही दिल्ली जंतर-मंतर पर 35 दिन तक प्रदर्शन किया था। दरअसल, 22 जुलाई को एक वकील ने सीजेआई की अगुआई वाली 3 जनों की बैच के सामने जनहित याचिका लगाई थी। सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता वकील ने कहा- छात्र महत्वपूर्ण मुद्दे उठा रहे हैं। लेकिन उन पर पुलिस की बर्बरता के वीडियो भी हैं। यदि संभव हो तो मामले की सुनवाई जल्द की जाए। इस पर सीजेआई सूर्यकांत ने कहा था, 'हमें वीडियो में दिलचस्पी नहीं है, हमारे पास देखने का समय नहीं है।' जब वकील ने छात्रों के साथ मारपीट के वीडियो देखने का दूसरी बार अनुरोध किया तो सीजेआई ने कहा, 'हमारा और अपना समय बर्बाद मत कीजिए।

ट्रम्प बोले-भारतीय चुनाव आयुक्त ने अमेरिकी व्यवस्था पर सवाल उठाए,पूछा- भारत में हर वोटर के पास फोटो आईडी, अमेरिका में इसके बिना इलेक्शन कैसे

नयी दिल्ली/वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने मंगलवार को भारत की चुनाव

किया, जिनमें 1फीसदी से भी कम ने डाक के जरिए वोट डाला। भारत में हर वोटर के पास वैध



व्यवस्था का हवाला देते हुए 'सेव अमेरिका एक्ट' को पास कराने की अपील की है। ट्रम्प ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रूथ सोशल पर पोस्ट में लिखा- इस महीने की शुरुआत में, भारत के मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने हमारे प्रशासन से पूछा था कि अमेरिका में वैध फोटो आईडी के बिना चुनाव कैसे हो सकते हैं? ट्रम्प ने आगे कहा- हमें अब सेव अमेरिका एक्ट पास करना होगा। ट्रम्प ने अमेरिकी चुनाव प्रक्रिया को और खरब बनाने पर जोर दिया। उनका कहना है कि इससे अमेरिकी चुनावों की सुरक्षा और विश्वसनीयता बढ़ेगी। डोनाल्ड ट्रम्प अमेरिकी राष्ट्रपति-भारत के हालिया आम चुनाव करीब 64.6 करोड़ लोगों ने मतदान

फोटो पहचान पत्र था।' क्या है सेव अमेरिका एक्ट? सेव अमेरिका एक्ट अमेरिका में मतदाता पंजीकरण और मतदान से जुड़े नियमों को और सख्त करने वाला एक विधेयक प्रस्ताव है। इसके तहत वोटर रजिस्ट्रेशन वेग समय नागरिकता का दस्तावेजी प्रमाण और मतदान के समय फोटो आईडी दिखाना जरूरी होगा। इस विधेयक में डाक से वोट देने की प्रक्रिया को काफी सीमित करने की बात भी कही गई है। यह विधेयक अमेरिकी प्रतिनिधि सभा से पारित हो चुका है, लेकिन ट्रम्प ने इसे अब तक मंजूरी नहीं मिली है। इस मुद्दे पर डेमोक्रेट और रिपब्लिकन, दोनों पार्टी में मतभेद है। ट्रम्प लगातार सेव अमेरिका एक्ट को पास कराने पर जोर

खड़गे बोले-मैं विधायक बना था तब अमित शाह बच्चे थे,हमें देशभक्ति न बताए, उत्तराखंड में शुद्धिकरण को लेकर बीजेपी को धर्म विरोधी बताया

पणजी। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने सोमवार को कहा कि जब मैं पहली बार

मैं ही कांग्रेस की नेत्री सोनिया ने कांग्रेस अध्यक्ष को गान रोकने को कहा। मल्लिकार्जुन



विधायक बना था, तब अमित शाह बच्चे थे और आज हमें देशभक्ति सिखा रहे हैं। अमित शाह अक्सर सोनिया गांधी और गांधी परिवार की आलोचना करते हैं। उन्होंने आगे कहा कि बीजेपी धर्म विरोधी है, क्योंकि जब मैं उत्तराखंड गया तो दो दिन बाद मंच का शुद्धिकरण किया गया। यह शुद्धिकरण रामलीला मैदान में किया गया था, जहां खड़गे ने 8 अगस्त को भाषण दिया था। उन्होंने यह बात दक्षिण गोवा में एक जनसभा को संबोधित करते हुए कहा। वहीं, अमित शाह ने 16 अगस्त को कहा था कि कांग्रेस पार्टी मुख्यालय पर वंदे मातरम का गान हो रहा था। बीच

खड़गे कांग्रेस अध्यक्ष:- हमारे लोगों ने देश की आजादी के लिए लड़ाई लड़ी। क्या आपने भी लड़ाई लड़ी। बीजेपी और आरएसएस का कौन सा व्यक्ति देश की आजादी के लिए लड़ा। और आप हमें देशभक्ति का पाठ पढ़ाते हैं।' खड़गे ने कहा- गद्दारों को वोट मत दीजिए, मुख्य बातें- राज्य के 12 मंत्रियों में से 10 पूर्व कांग्रेस नेता हैं, जो पार्टी छोड़कर बीजेपी में शामिल हुए हैं। गद्दारों को वोट मत दीजिए। अगर आप उन्हें वोट देंगे, तो आप भी गद्दार बन जाएंगे। बड़े शहरों के अमीर लोग गोवा में जमीन खरीद रहे हैं। क्या वे इसे आपकी भलाई के लिए खरीद रहे हैं या गोवा

का मजाक बनाने के लिए। बाहर से आने वाले लोगों को जमीन खरीदकर मनमानी कीमतों पर घर बनाने और गोवा का शोषण करने की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए। गोवा में ऐसे पर्यटकों का स्वागत होना चाहिए, जो राज्य की संस्कृति का सम्मान और उसकी रक्षा करते हैं। दिल्ली पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी-दिल्ली पुलिस ने राहुल और सोनिया गांधी के खिलाफ वंदे मातरम के अपमान से जुड़े मामले की जांच शुरू कर दी है। 16 अगस्त को आईपी एस्टेट थाने में एक वकील ने शिकायत की थी। इसमें दोनों नेताओं के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की मांग की गई है। शिकायतकर्ता का आरोप है कि वंदे मातरम के शुरुआती हिस्से के बाद सोनिया गांधी ने कुछ इशारे किए, जिन्हें गाना जारी रखने पर आपत्ति के तौर पर देखा गया।

राहुल-सोनिया के खिलाफ कर्नाटक में भी शिकायत दर्ज-उधर, भाजपा ने सोनिया गांधी के खिलाफ बेंगलुरु और मंगलुरु में पुलिस शिकायत दर्ज कर वंदे मातरम के अपमान का आरोप लगाया और कार्रवाई की मांग की। बेंगलुरु में बीजेपी युवा मोर्चा ने मल्लेश्वरम और मंगलुरु में बीजेपी नेताओं ने उर्वा थाने में शिकायत दी। पुलिस ने अभी एफआईआर दर्ज नहीं की है।

कॉकरोच पार्टी वर्कर के पिता की मौत का मामला,8 गिरफ्तार

बांकुड़ा। कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) नेता आशुतोष रांका ने दावा किया कि पार्टी कार्यकर्ता शेख अब्दुल हफीज के पिता की मौत बीजेपी

दिल्ली के जंतर-मंतर गया था। वहां से लौटने के बाद वह सीजेपी के 'स्कूल ठीक करो' अभियान से जुड़ा। इसके बाद स्थानीय बीजेपी विधायक निर्मल



कार्यकर्ताओं की पिटाई के बाद हुई। सीजेपी टीम ने सोमवार को पश्चिम बंगाल के बांकुड़ा में उनके परिवार से मुलाकात की।

धारा और उनके समर्थकों ने हाफिज को धमकाना शुरू कर दिया। पुलिस ने आरोपियों को 8 दिन की पुलिस हिरासत में

आशुतोष रांका का दावा- स्कूल का वीडियो बनाने पर बीजेपी कार्यकर्ताओं ने पीटा था

हफीज के पिता मफीक पर 13 अगस्त को हमला हुआ था। दो दिन बाद उनकी मौत हो गई। मामले में पुलिस ने 8 लोगों को गिरफ्तार किया है, जिनमें 3 नामजद और 5 संदिग्ध हैं। परिवार का आरोप है कि मफीक सीजेपी के 'स्कूल ठीक करो' अभियान में शामिल थे। उन्होंने स्कूल की बदहाली का वीडियो बनाया था। उसी शाम हथियारबंद लोगों ने घर में घुसकर उनकी पिटाई की। आशुतोष रांका सीजेपी नेता-हाफिज के घर लौटने के बाद पहले बिजली काटी गई और फिर उसके परिवार पर हमला किया गया। घटना के बाद परिवार इलाज के लिए अस्पताल पहुंचा, लेकिन वहां बीजेपी समर्थक मौजूद थे और उन्होंने हाफिज और उसके पिता के साथ दोबारा मारपीट की। रांका बोले- धमकी मिलने के बावजूद पुलिस ने एक्शन नहीं लिया-रांका ने आरोप लगाया कि हफीज के परिवार को धमकी मिलने के बावजूद बंगाल पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की। हाफिज 18 जुलाई को प्रदर्शन में शामिल होने के लिए

भेजा-बंगाल पुलिस ने आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि अब्दुल हाफिज के पिता को मामूली चोट लगी थी, जिसके लिए एक टांका लगाया गया था। पुलिस ने बताया कि 15 अगस्त की सुबह मफीक ने ब्कड प्रेशर में अचानक उतार-चढ़ाव के बाद खुद को बर्दवान मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया। डॉक्टरों ने जांच के बाद बताया कि उन्हें जानलेवा चोट नहीं थी। हालांकि, उसी रात उनकी मौत हो गई। पुलिस के मुताबिक, गिरफ्तार आरोपियों को 8 दिन की पुलिस हिरासत में भेजा गया है। वहीं, 2 अन्य आरोपियों की तलाश जारी है। हाफिज के घर पर सुरक्षा के लिए एक पुलिसकर्मी भी तैनात किया गया है। दीपके ने 2 दिन पहले शुरू किया स्कूल ठीक करो अभियान-अभिजीत दीपके ने शनिवार को महाराष्ट्र के हिंगोली में अपने गांव से 'स्कूल ठीक करो' अभियान की शुरुआत की थी। उन्होंने कहा था कि सरकार की अनदेखी की वजह से गरीब छात्रों को नुकसान हो रहा है, और उन्होंने प्राइवेट स्कूलों की फीस पर सीमा लगाने की मांग की।

कश्मीर में टुक और सीआरपीएफ के बंकर वाहन की टक्कर, 5 जवान घायल

जम्मू/कश्मीर। कश्मीर के कुलगाम जिले के काजीगुंड में

वाहन पलट गया। घायल जवानों को इलाज वेग लिए 163



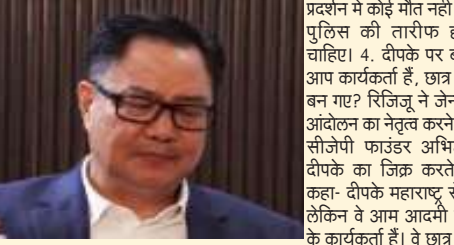
टुक और सीआरपीएफ के बंकर वाहन की टक्कर हो गई। हादसे में सीआरपीएफ के 5 जवान घायल हो गए। दुर्घटना लेवडोरा इलाके में हुई, जहां टक्कर के बाद सीआरपीएफ का बंकर

बटालियन सीआरपीएफ के एमआई रुम, काजीगुंड ले जाया गया। अधिकारियों के मुताबिक सभी को मामूली चोटें आई हैं। पुलिस मौके पर पहुंच गई है और हादसे की जांच शुरू कर दी है।

जंतर-मंतर प्रदर्शन पर रिजिजू बोले- गोली कहां चली,जेन-जी हमारे बच्चे,उनसे बातचीत जरूरी- अभिजीत दीपके आप कार्यकर्ता, छात्र नेता कैसे बन गए

नई दिल्ली। केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरण रिजिजू ने एएनआई को दिए इंटरव्यू में जेन-जी आंदोलन, जंतर-मंतर प्रदर्शन, अभिजीत दीपके, राहुल गांधी और कांग्रेस पर कई बयान दिए। उन्होंने कहा कि जेन-जी हमारे अपने बच्चे हैं और उनसे लगातार बातचीत जरूरी है। उनसे बातचीत करने में सरकार की तरफ से कोई कमी नहीं है। रिजिजू ने जंतर-मंतर प्रदर्शन पर दिल्ली पुलिस की कार्रवाई का बचाव किया। उन्होंने कहा कि हजारों लोगों के प्रदर्शन के बावजूद एक भी गोली नहीं चली और किसी प्रदर्शनकारी को गंभीर चोट नहीं लगी। उन्होंने कहा- अगर ऐसा आंदोलन कांग्रेस के दौर में हुआ होता, तो हजारों लोगों की मौत हो सकती थी। रिजिजू ने कॉकरोच जनता पार्टी के फाउंडर अभिजीत दीपके पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा- दीपके आप कार्यकर्ता हैं। छात्र कैसे बन गए? उन्होंने आरोप लगाया कि राजनीतिक दल छात्रों के आंदोलन को हाईजैक करने की कोशिश कर रहे हैं। किरण रिजिजू केंद्रीय मंत्री- जंतर-मंतर प्रदर्शन में हजारों लोग आए थे। पुलिस की कार्रवाई में एक भी व्यक्ति को

नुकसान नहीं हुआ। किसी की हड्डी नहीं टूटी और कोई प्रदर्शनकारी गंभीर चोट के साथ अस्पताल में भर्ती नहीं है।' पीएम के दिमागी नक्सल वाले बयान से लेकर जंतर-मंतर प्रदर्शन तक, रिजिजू के इंटरव्यू की पूरी बात-1. रिजिजू बोले- राहुल को नेता प्रतिपक्ष पद की गरिमा रखनी चाहिए-रिजिजू ने कहा- राहुल गांधी सदन के अंदर जैसा व्यवहार करते हैं, क्या वे नेता प्रतिपक्ष जैसे दिखाई देते हैं? मेरा उनसे कोई व्यक्तिगत मुद्दा नहीं है। हम मिलते हैं, बातचीत करते हैं। लेकिन नेता प्रतिपक्ष को अपने पद की गरिमा बनाए रखते हुए काम करना चाहिए और उसी हिसाब से सदन में बोलना चाहिए। राहुल ने एक खास तरह की शैली अपनाई है और उनके सांसद भी उसी तरह व्यवहार करने लगे हैं। 2. संसद में शाह के बयान पर बोले- कांग्रेस चर्चा से भागी-अमित शाह के बयान की विपक्ष की मांग पर रिजिजू ने कहा- कांग्रेस संसद का सामना करने से डर गई है। इसलिए उसने चर्चा से भागने का बहाना बनाया। जब सरकार हर



सच्चाई का सामना करने की स्थिति में नहीं है। कांग्रेस को लगता है कि उनका काम सिर्फ हंगामा करना, चिल्लाना और गाली देना है। अगर किसी सांसद को सिर्फ हंगामा करना है तो सांसद बनने की जरूरत क्या है? वे सड़क पर प्रदर्शन कर सकते हैं। 3. जंतर-मंतर प्रदर्शन पर बोले- किसी की हड्डी नहीं टूटी, जान नहीं गई-रिजिजू ने कहा- दिल्ली प्रशासन ने प्रदर्शन के दौरान एक ही लाठी नहीं चलाई। पुलिस ने तब कार्रवाई की, जब प्रदर्शनकारी जबरदस्ती संसद की ओर बढ़ने लगे। एक भी

व्यक्ति को नुकसान नहीं हुआ। किसी की हड्डी नहीं टूटी। कोई प्रदर्शनकारी गंभीर चोट के साथ अस्पताल में भर्ती नहीं है। प्रदर्शन में कोई मौत नहीं हुई। पुलिस की तारीफ होनी चाहिए। 4. दीपके पर बोले- आप कार्यकर्ता हैं, छात्र कैसे बन गए? रिजिजू ने जेन-जी आंदोलन का नेतृत्व करने वाले सीजेपी फाउंडर अभिजीत दीपके का जिक्र करते हुए कहा- दीपके महाराष्ट्र से हैं। लेकिन वे आगे कोई व्यक्तिगत मुद्दा के कार्यकर्ता हैं। वे छात्र कैसे बन गए? 5. जेन-जी से बीजेपी के जुड़ाव पर बोले- उनसे बात करनी होगी-रिजिजू ने कहा- जेन-जी बच्चों से कनेक्शन में कोई कमी नहीं है। वे हमारे अपने बच्चे हैं। हमें उनकी बात सुननी होगी और उन्हें अपनी बात भी समझानी होगी। अगर उन्हें लगातार सिर्फ मांगें करने के लिए उकसाया जाता रहेगा तो दूरी क्रम करने में समय लगेगा। 6. पीएम के दिमागी नक्सल वाले बयान पर बोले- दिमागी नक्सली पार्टी बनती जा रही-15 अगस्त को लाल किले से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'दिमागी

दिमागी नक्सल' बयान पर कांग्रेस के विरोध को लेकर रिजिजू ने कहा- एक तरह से कांग्रेस पार्टी माओवादी और नक्सली संगठन जैसी बनती जा रही है। उन्होंने आगे कहा- सोनिया गांधी के नेतृत्व वाली नेशनल एडवाइजरी काउंसिल में पहले ऐसी विचारधारा रखने वाले लोगों का प्रभाव था। अब पूरी कांग्रेस पार्टी माओवादी पार्टी की तरह बढ़ती दिख रही है। इससे पहले कांग्रेस मुस्लिम लीग जैसी पार्टी बन चुकी थी। जंगल में हथियार उठाने वाले नक्सलियों को काफी हद तक खत्म किया जा चुका है, लेकिन उनकी विचारधारा शहरी इलाकों में अभी भी मौजूद है। उससे भी निपटना जरूरी है। कांग्रेस ने इसे अपने ऊपर क्यों लिया, यह समझ से परे है। 7. रिजिजू बोले- कांग्रेस को मनमोहन सिंह से माफी मांगनी चाहिए-रिजिजू ने पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के 2006 के बयान का जिक्र करते हुए कहा कि उन्होंने नक्सलवाद को देश की सबसे बड़ी आंतरिक सुरक्षा चुनौती बताया था। कांग्रेस पार्टी की पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के परिवार से माफी मांगनी चाहिए।

क्या आप भी रोज चिप्स खाते हैं,डोपामिन के साथ बढ़ती डायबिटीज, हार्ट डिजीज का खतरा, क्रेविंग कम करने की 13 टिप्स

नयी दिल्ली। आज की फास्ट लाइफस्टाइल में चिप्स और फ्रेंच फ्राइज सिर्फ एक स्नैक नहीं, बल्कि आदत बन चुके हैं। हल्की भूख हो, मुवी देखनी हो या बस टाइम पास करना हो, हाथ अपने-आप पैकेट

बढ़ता है। गुड कोलेस्ट्रॉल (एचडीएल) घटता है। आर्टरीज में फैट जमने लगता है। रिजल्ट- हार्ट अटैक और स्ट्रोक का खतरा बढ़ता है-3. हाई ब्लड प्रेशर-चिप्स में नमक बहुत ज्यादा होता है। इससे शरीर

कोई रोज एक पैकेट (48 ग्राम) चिप्स खाए तो वह साल भर में कितना नमक, चीनी और पाम ऑयल खाएगा? जवाब- 48 ग्राम के एक पैकेट चिप्स में औसतन 1.3 ग्राम नमक, 11.4 ग्राम चीनी और 46



की तरफ बढ़ जाता है। लेकिन स्वाद और कंच के पीछे छिपा सच इतना हल्का नहीं है। रोजाना खाए जाने वाले ये चिप्स धीरे-धीरे शरीर के अंदर कई गंभीर बदलाव शुरू कर देते हैं। 'नेशनल लाइब्रेरी ऑफ मेडिसिन' में पब्लिश एक स्टडी के मुताबिक, चिप्स में मौजूद हाई सैचुरेटेड फैट से हाइपरटेंशन, कोरोनरी हार्ट डिजीज और डायबिटीज का रिस्क बढ़ता है। ये एक गंभीर चेतावनी है, क्योंकि बहुत से लोग स्नैक की तरह रोजाना चिप्स खाते हैं। इसलिए 'जरूरत की खबर' में आज हम डेली चिप्स खाने के हेल्थ रिस्क पर बात करेंगे। साथ ही जानेंगे कि- जब हम चिप्स खाते हैं तो शरीर में क्या होता है? चिप्स खाने की आदत को कैसे कंट्रोल करें? सवाल- अगर कोई रोज चिप्स खाए तो उससे शरीर पर क्या असर पड़ता है? जवाब- शुरुआत में यह मामूली आदत लग सकती है, लेकिन धीरे-धीरे इसका शरीर पर नकारात्मक असर पड़ता है। सवाल- चिप्स खाने से इन बीमारियों का रिस्क क्यों बढ़ जाता है? जवाब- इसे पॉइंटर्स से समझिए- 1. मोटापा (ओबिसिटी) चिप्स में कैलोरी और फैट हाई होता है। 50 ग्राम चिप्स में करीब 400 कैलोरी होती है। इसे खाने के बाद सेटायटी (संतुष्टि) नहीं होती। चिप्स का सारा फैट पेट और कमर पर जमा होता है। रिजल्ट- इससे मोटापा, फैटी लिवर, हॉर्मोनल असंतुलन का रिस्क बढ़ जाता है। 2. हार्ट डिजीज- चिप्स में ट्रांस फैट एस सैचुरेटेड फैट ज्यादा होता है। इससे बैड कोलेस्ट्रॉल (एलडीएल)

में वाटर रिटेंशन होता है और ब्लड वॉल्यूम बढ़ता है। रिजल्ट- बीपी बढ़ता है। इससे हार्ट और किडनी पर दबाव बढ़ता है। 4. किडनी पर असर-ज्यादा नमक और तेल किडनी पर दबाव डालते हैं। इससे किडनी को ज्यादा मेहनत करनी पड़ती है। रिजल्ट- किडनी फंक्शन कमजोर होता है। क्रॉनिक किडनी डिजीज का रिस्क बढ़ता है। 5. डायबिटीज का खतरा-रिफाईंड कार्ब्स तेजी से ब्लड शुगर बढ़ाते हैं। बार-बार शुगर स्पाइक होता है। इससे इंसुलिन रेंजिस्टेंस बढ़ता है। रिजल्ट- टाइप 2 डायबिटीज का रिस्क बढ़ता है। 6. ब्रेन और मूड पर असर-हैप्पी हॉर्मोन 'डोपामिन' स्पाइक होता है। इससे अच्छा महसूस होता है। बार-बार खाने की क्रेविंग बढ़ती है। रिजल्ट- मूड स्विंग और चिड़चिड़ापन बढ़ता है। लंबे समय में फोकस और मेमोरी पर असर पड़ता है। 7. डाइजेस्टिव सिस्टम-फाइबर नहीं होता है। ज्यादा खाने से गट माइक्रोबायोम बिगड़ता है। रिजल्ट- कब्ज, गैस, ब्लोटिंग की समस्या होती है। 8. कैंसर का रिस्क-हाई टेम्परेचर पर तलने से एक्रिलामाइड नामक केमिकल बनता है। यह शरीर के लिए टॉक्सिक माना जाता है रिजल्ट- लंबे समय में कैंसर का रिस्क हो सकता है। 9. इम्युनिटी पर असर- ट्रांस फैट इम्यून सेल्स की कार्यक्षमता को कम करता है। इससे शरीर की बीमारियों से लड़ने की क्षमता कमजोर हो जाती है। रिजल्ट- धीरे-धीरे इम्युनिटी कमजोर हो जाती है। सवाल- अगर

ग्राम पाम ऑयल (फैट) होता है। अगर कोई एक पैकेट चिप्स रोज खाता है तो वह साल भर में कितना नमक, चीनी और तेल कंज्रूम करेगा। चिप्स में नमक, चीनी और तेल के अलावा कई हिड्डेन कंपाउंड्स होते हैं, जो लंबे समय में शरीर को नुकसान पहुंचा सकते हैं। सवाल- क्या कोई ऐसी साइंस स्टडी या रिसर्च है, जो बताए कि चिप्स खाना सेहत के लिए नुकसानदायक है? जवाब- हां, आपको शायद ये जानकर आश्चर्य हो कि अब तक लाखों लोगों पर हुई 100 से ज्यादा साइंस स्टडीज ये साबित कर चुकी हैं कि चिप्स खाने से मेटाबॉलिक बीमारियों को रिस्क बढ़ता है। निष्कर्ष- जो लोग चिप्स ज्यादा खाते हैं, उनमें डायबिटीज का रिस्क लगभग 3 गुना तक ज्यादा होता है। सवाल- क्या रोज चिप्स खाने से इसकी लत भी लग सकती है? जवाब- हां, चिप्स में नमक, फैट और फ्लेवर का ऐसा कॉम्बिनेशन होता है, जो ब्रेन में हैप्पी हॉर्मोन 'डोपामिन' बढ़ाता है। इससे बार-बार खाने की क्रेविंग पैदा होती है, जो धीरे-धीरे लत में बदल सकती है। सवाल- क्या चिप्स छोटे बच्चों के लिए ज्यादा नुकसानदायक है? जवाब- हां, छोटे बच्चों के लिए चिप्स ज्यादा नुकसानदायक है, क्योंकि उनका शरीर और इम्यून सिस्टम डेवलपिंग फेज में होता है। बच्चों का विकास प्रभावित हो सकता है। किडनी और हार्ट पर दबाव पड़ता है। दांतों में कैविटी हो सकती है। ज्यादा खाने से वजन तेजी से बढ़ता है। जंक फूड की आदत से इम्युनिटी कमजोर हो जाती है।

हमारी शादी हुई है जल्द ही हम माता-पिता बनने वाले हैं पर अनुभव की कमी है,अच्छा अभिवातक बनने के लिए सबसे जरूरी क्या है?

जयपुर। विषय को समझेंगे एक्सपर्ट- डॉ. अमिता श्रृंगी, साइकोलॉजिस्ट,

न्यात हन्ह ने अपनी किताब 'फिडिलिटी: हाउ टू क्रिएट लविंग रिलेशनशिप दैट लास्ट्स' में



फैमिली एंड चाइल्ड काउंसलर, जयपुर जी के साथ सवाल जवाब के माध्यम से। सवाल- मैं अहमदाबाद से हूँ। मेरी शादी को 3 साल हो गए हैं। जल्द ही हम पेरेंट बनने वाले हैं। जाहिर है, इस कारण हमारी एंजाइटी भी थोड़ी बढ़ी हुई है। हम पेरेंटिंग पर तमाम किताबें पढ़ रहे हैं, पॉडकास्ट सुन रहे हैं। हालांकि ये सब पढ़ना-सुनना और कनफ्यूज कर रहा है। क्या आप हमें कुछ बेसिक टिप्स दे सकते हैं कि हमें किन बातों का ध्यान रखना चाहिए। जवाब- सबसे पहले आप दोनों को इस नई यात्रा के लिए बहुत बधाई। पढ़कर खुशी हुई कि आप इस नई जिम्मेदारी से पहले खुद को तैयार कर रहे हैं। अवेयरनेस ही अच्छी पेरेंटिंग की पहली सीढ़ी है। सबसे पहले तो ये समझिए कि जब बच्चा दुनिया में आता है तो उसे सूख-सुविधाओं वाले पेरेंट्स से ज्यादा हैप्पी पेरेंट्स की जरूरत होती है। माता-पिता का खुश रहना ही बच्चे के लिए सबसे खूबसूरत तोहफा है। वियतनामी बौद्ध भिक्षु और मशहूर राइटर तिक

इस बारे में लिखा है-किताबें पढ़ना और पॉडकास्ट सुनना



अच्छी बात है, क्योंकि ये हमें दिशा देते हैं। लेकिन यह समझना जरूरी है कि पेरेंटिंग की असली नींव किसी ट्रेंड या तकनीक पर नहीं, बल्कि घर के माहौल पर टिकी होती है। बच्चा सबसे पहले अपने

आसपास के वातावरण से ही सीखता है। अच्छी पेरेंटिंग कोई हेलीकॉप्टर पेरेंटिंग करना या सुपर मॉम-डैड होना नहीं है। पेरेंट होने की जो एकदम बेसिक जिम्मेदारी है, वो है बच्चे को अनकंडीशनल प्यार और सिक्योरिटी देना।अक्सर हम बच्चे के आने की तैयारी कपड़ों, खिलौनों और कमरे की सजावट से करते हैं। लेकिन भावनात्मक तैयारी को नजरअंदाज कर देते हैं। जबकि सच्चाई यह है कि पेरेंटिंग की असली शुरुआत बच्चे के जन्म से पहले हमारी सोच, हमारे रिश्ते और हमारे धैर्य से हो जाती है। ऐसे में नए पेरेंट्स के लिए जरूरी है कि वे खुद को मानसिक रूप से तैयार करें। यह समझें कि पेरेंटिंग कोई परफॉर्मेंस नहीं है, बल्कि यह सीखने की निरंतर प्रक्रिया है। आप जितने मजबूत और संतुलित होंगे, बच्चे को उतना ही सुरक्षित और खुशहाल माहौल दे पाएंगे। इस तैयारी को आसान बनाने के लिए यह छोटी-सी चेकलिस्ट मददगार हो सकती है-इमोशनली तैयार रहें पेरेंटिंग सिर्फ फिजिकल नहीं, इमोशनल जिम्मेदारी भी है। बच्चे के आने के बाद आपकी नींद, रूटीन और प्राथमिकताएं बदलती हैं। अगर आप मानसिक रूप से तैयार रहेंगे तो बदलाव को

वही उनको व्यवहार में भी झलकता है। पार्टनर के साथ स्वस्थ और संतुलित रिश्ता

सीखते, वे धीरे-धीरे समझते हैं। एक ही गलती बार-बार दोहराते हैं। ऐसे में गुस्सा करने



बनाए रखना पेरेंटिंग का अहम हिस्सा है। सुनने की आदत डालें-अक्सर पेरेंट्स बच्चों को समझाने पर ज्यादा ध्यान देते हैं, उन्हें सुनने पर कम। लेकिन एक अच्छा पेरेंट वही है, जो बच्चे

की बजाय धैर्य रखना जरूरी है।आपका शांत-सरल व्यवहार ही बच्चे को सही मार्गदर्शन देता है। गलतियां स्वीकारना सीखें-कोई भी पेरेंट परफेक्ट नहीं होता। अगर गलती हो जाए तो

आई एलर्जी के मामले,ये 9 संकेत दिखें तो न करें इग्नोर, एक्सपर्ट से समझें जरूरी सावधानियां

नयी दिल्ली।तेज धूप और गर्म हवा आंखों को प्रभावित

बहुत ज्यादा होता है। अल्ट्रावायलेट किरणों का असर

खतरा बढ़ सकता है। गर्मी और लू से आंखों की नमी जल्दी कम



करती है। इससे आंखों में जलन और रेडनेस की समस्या हो सकती है। आमतौर पर लोग इसे नजरअंदाज कर देते हैं, जबकि ये किसी बड़ी परेशानी का संकेत भी हो सकता है। अल्ट्रावायलेट एक्सपोजर, डिहाइड्रेशन और धूल-मिट्टी आंखों को प्रभावित करते हैं। इससे आई-इन्फेक्शन हो सकता है। इसलिए गर्मियों में आई एलर्जी के केस बढ़ जाते हैं। आज 'जरूरत की खबर' में समझेंगे कि गर्मी का आंखों पर क्या असर पड़ता है। साथ ही जानेंगे कि-किन लोगों को आई-इन्फेक्शन का रिस्क ज्यादा होता है? आई इन्फेक्शन से बचने के आसान टिप्स क्या हैं? विषय को समझेंगे एक्सपर्ट- डॉ. श्रेया गुप्ता, कंसल्टेंट, ऑप्टोमोलॉजी, श्री बालाजी एक्शन मेडिकल इंस्टीट्यूट, दिल्ली जी के साथ सवाल जवाब के माध्यम से- सवाल- गर्मियों में ज्यादा टेम्परेचर और तेज धूप का आंखों पर क्या असर पड़ता है? जवाब- गर्मियों में ये तीन चीजें होती हैं- धूप तेज होती है, तापमान

बढ़ जाता है। वातावरण में नमी, धूल-मिट्टी?टी और प्रदूषण बढ़ जाते हैं। ये तीनों फैक्टर आंखों पर ये प्रभाव डालते हैं- तेज धूप में अल्ट्रावायलेट किरणें आंखों

होती है, जिससे ड्राईनेस, जलन और रेडनेस बढ़ती है। तेज रोशनी में आंखें खोलना मुश्किल होता है और सिर या आंखों में दर्द हो सकता है। लंबे समय



की बाहरी परत (कॉर्निया) और लेंस को नुकसान पहुंचा सकती है। लंबे समय में मोतियाबिंद का

तक धूप में रहने से विजन कुछ समय के लिए धुंधला हो सकता है। गर्मियों में धूल, पसीना और

प्रदूषण बढ़ता है, जिससे आंखों में एलर्जी, खुजली और इन्फेक्शन का रिस्क बढ़ जाता है। गर्मियों में तापमान बढ़ने से आंखों की नमी जल्दी कम हो जाती है, जिससे ड्राईनेस बढ़ती है। ड्राई आई सिंड्रोम, आई एलर्जी, आई स्ट्रैन (थकान) आंखों में जलन, दर्द, आंखों में खुजली, आंखों से पानी आना, आंखों में धुंधलापन, केराटायटिस (कॉर्निया में सूजन) कंजंकटाइटिस, फोटोफोबिया, मोतियाबिंद। सवाल- आंखों के कॉन-से लक्षण नजरअंदाज नहीं करने चाहिए? क्या गर्मियों में ये ज्यादा गंभीर हो सकते हैं? जवाब- आंखों में लगातार दर्द या तेज जलन होना सामान्य नहीं है। अचानक धुंधला या कम दिखाई देना किसी गंभीर समस्या का संकेत हो सकता है। गर्मियों में ये गंभीर हो सकते हैं- आंखों की थकान, आंखों में दर्द, जलन या चुभन, रोशनी से परेशानी,

के संक्रमण और एलर्जी के मुख्य रिस्क फैक्टर क्या हैं? जवाब-

कम हो सकता है। आंखों की सतह पर माइक्रो-डैमज का

पहने। डॉक्टर द्वारा बताई दवा या आई ड्रॉप्स। आंखों को रागड़ने



गर्मियों में ज्यादा तापमान और पसीने से आंखों के आसपास बैक्टीरिया व वायरस बढ़ सकते हैं। धूल-मिट्टी और प्रदूषण आंखों की सतह को इरिटेट करके एलर्जिक रिएक्शन बढ़ाते हैं। युवी किरणें आंखों की प्रोटेक्टिव लेंयर को कमजोर कर सकती हैं। गंदे हाथों से आंख छूने या तौलिया-रूमाल शेयर करने से संक्रमण फैलता है।स्विमिंग पूल के क्लोरीन या दूषित पानी से आंखों में जलन व इन्फेक्शन हो सकता है।सवाल- डिहाइड्रेशन होने पर आई हेल्थ और विजन कम्फर्ट पर क्या असर पड़ता है? जवाब- शरीर में पानी कम होने से आंखों पर ये प्रभाव पड़ते हैं- इससे आंखों में ड्राईनेस हो सकती है। आंखों का लुब्रिकेशन घटने से असहजता बढ़ती है। पलक झपकाने पर चुभन या किरकिरापन महसूस हो सकता है। लंबे समय तक डिहाइड्रेशन से फोकस करने में कठिनाई हो सकती है। इससे विजन कम्फर्ट

रिस्क बढ़ सकता है। सवाल- किन लोगों को समर सीजन में आई प्रॉब्लम्स का रिस्क ज्यादा होता है? जवाब- कुछ लोगों को रिस्क ज्यादा होता है- जो तेज धूप या गर्म वातावरण में काम करते हैं। जो एयर-कंडीशन या सूखे वातावरण में लंबे समय तक रहते हैं। जो कॉन्टैक्ट लेंस यूज करते हैं। छोटे बच्चे, जो अपनी आंखों की सेपटी नहीं रख सकते हैं।

की आदत से बचें, इससे सूजन बढ़ सकती है। आंखें और चेहरा नियमित रूप से साफ रखें। एलर्जी ट्रिगर्स जैसे पोलन (परागकण) या धुएं से दूर रहें। जरूरत पड़ने पर ठंडी पड़ी से आंखों को आराम दें। सवाल- गर्मियों में आई-हेल्थ के लिए डाइट और हाइड्रेशन कैसा होना चाहिए? जवाब- इसके लिए इन बातों का ध्यान रखें- रोज 2.5-3 लीटर तक पानी या फलजूस लेना फायदेमंद है।

खीरा, ककड़ी, संतरा, तरबूज जैसे हाई-वॉटर कंटेंट फ्रूट्स लेना फायदेमंद हैं। एंटीऑक्सिडेंट युक्त फल आंखों की सेल्स को नुकसान से बचाते हैं।विटामिन-ए और ल्यूटिन युक्त हरी सब्जियां विजन को सपोर्ट करती हैं। ओमेगा-3 फैटी एसिड आई हेल्थ को बेहतर बनाने में मदद करते हैं। भोजन में बहुत ज्यादा नमक और शुगर से बचना जरूरी है।

मुकेश खन्ना बोले- जन गण मन हटाओ वंदे मातरम लाओ

मुंबई। शक्तिमान एक्टर मुकेश खन्ना ने हाल ही में राष्ट्रगान जन गण मन को हटाने की मांग की है। उनका कहना है कि इसकी जगह वंदे मातरम को देनी चाहिए। हालांकि ये बयान देते हुए उनसे बड़ी गड़बड़ हो गई। उन्होंने कहा कि वंदे मातरम को राष्ट्रगीत बनाना चाहिए, जबकि ये पहले से ही राष्ट्रगीत है। इसके अलावा उन्होंने राष्ट्रगान जन गण मन हाते हुए भी गड़बड़ कर दी। हाल ही में आईएनएस को टिए बयान में मुकेश खन्ना ने कहा, 'मैं तीन साल पहले बोल चुका हूँ कि वंदे मातरम को राष्ट्रगीत बनाओ (ये राष्ट्रगीत ही है)। ये जन मन गण (जन गण मन) हमारे देश का नहीं है। ये जो क्वीन एलिजाबेथ थीं, उनके मान में रवींद्रनाथ टैगोर ने एक स्तुति गान लिखा था, उसको हमने मान लिया,

स्वत्वाधिकारी एवं मुद्रक डॉ. दीपक अरोरा द्वारा रामा प्रिंटर्स 53/25/1 ए बेली रोड न्यू कटरा प्रयागराज (उ.प्र) 211002 से मुद्रित एवं सी-41युपी एसआईडीसी औद्योगिक क्षेत्र नैनी प्रयागराज। संपादक/प्रकाशक डा.पुनीत अरोरा मो.नं.09415608710 RNI.NO.UPHIN/2015/63398 www.adhuniksaamachar.com **नोट-** इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी0आर0बी0 एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगा।